शर्मा हार्ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 311 | गुवाहाटी | शनिवार, 14 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

इजराइल का ईरान पर बड़ा हवाई हमला, परमाणु ठिकानों पर दागे बम — पेज 2
गोमांस बरामद होने वाले धुबड़ी के हनुमान मंदिर का सीएम ने किया दौरा — पेज 3
नकली खाद बीज मामले में राज्य कृषि सेवा के 11 अधिकारी निलंबित — पेज 5
डब्ल्यूटीसी फाइनल में गेंदबाजों का दबदबा, टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहतरीन ... — पेज 7

धुबड़ी में शांति बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री का कड़ा निर्देश–

रात में देखते ही ठोक दो

धुबड़ी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं के बाद धुबड़ी जिले का दौरा किया और आगे की अशांति को रोकने के लिए रात में गोली मारने के आदेश की घोषणा की। यह निर्णय बार-बार होने वाली उकसावे की घटनाओं के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें कथित तौर पर हनुमान मंदिर के पास एक कटा हुआ गाय का सिर मिलना, भड़काऊ पोस्टर और रात के दौरान पथराव की घटनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बकरीद के बाद से धुबड़ी में सांप्रदायिक घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि रात में पथराव आम बात हो गई है और नवीन बांग्ला नामक संगठन द्वारा भड़काऊ पोस्टर, जो धुबड़ी को बांग्लादेश में विलय करने की मांग कर रहे हैं, संवेदनशील क्षेत्रों में, यहां तक कि सैन्य प्रतिष्ठानों पर भी चिपकाए गए हैं। सबसे ज्यादा चिंताजनक घटनाओं में से एक शहर में हनुमान मंदिर के पास गाय के कटे हुए सिर रखने की लगातार घटनाएं थीं, जिससे आक्रोश और तनाव फैल गया। हालांकि शांति समिति की बैठक ने शुरू में गुस्सा शांत कर दिया, लेकिन अगले दिन इसी तरह की दूसरी घटना ने -शेष पृष्ठ दो पर

धुबड़ी में अल्पसंख्यकों को बनाया जा रहा निशाना : मौलाना रजवी

नई दिल्ली। असम के धुबड़ी जिले में मंदिरों पर संभावित हमलों को लेकर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने प्रशासन को आदेश दिया है कि अगर कोई व्यक्ति मंदिरों पर हमले या सार्वजनिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करता है, तो उसे देखते ही गोली मार (शूट एट साइट) दिया जाए। सरकार के इस आदेश के बाद देशभर में राजनीतिक और धार्मिक संगठनों में नाराजगी और बहस तेज हो गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

नवीन बांग्ला पोस्टर का मिलना चिंताजनक : सीएम

धुबड़ी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को धुबड़ी जिले की कानून-व्यवस्था पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि असामाजिक तत्व धुबड़ी को बांग्लादेश में मिलाने के मंसूबा पाल रहे हैं, जिसका खुलासा नवीन बांग्ला पोस्टर से हुआ है। इन पोस्टरों में धार्मिक आधार पर भड़काने वाले स्लोगन लिखे गए हैं। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की सुनियोजित साजिश बताया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि बकरीद के आसपास जिले में एक के बाद एक भड़काऊ घटनाएं सामने आईं। बकरीद के अगले दिन हनुमान मंदिर के सामने किसी ने गोमांस फेंका। दोनों समुदायों के नेताओं और शांति समिति ने हस्तक्षेप कर माहौल को शांत किया, लेकिन अगले ही दिन फिर से उसी स्थान पर गोमांस फेंका गया, जिससे तनाव और गहरा गया। इस घटना के बाद जिले के कुछ हिस्सों में पथराव भी हुआ, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी सूचना पाकर वो खुद धुबड़ी पहुंचे हैं। यहां अब रैपिड एक्शन फोर्स से लेकर तमाम सुरक्षा कर्मियों को उतारा जा रहा है। उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

काला गुरुवार : पीएम मोदी ने दुर्घटनास्थल का जायजा लिया

उच्चस्तरीय बैठक कर दिशा-निर्देश दिए

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और राहत व बचाव टीमों से मुलाकात की। उन्होंने तबाही के मंजर को बेहद दुखद बताया और कहा कि हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि जाने वाले पीछे खालीपन छोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

प्लेन से कूदा नहीं था, सीट समेत मैं बाहर गिर गया... : रमेश विश्वास

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे ने न केवल पूरे देश, बल्कि दुनिया भर को स्तब्ध कर दिया है। टेकऑफ के दौरान तेज रफ्तार से उड़ान भरते हुए विमान सीधे एक अस्पताल के हॉस्टल की इमारत में जा घुसा, जिससे जोरदार धमाका हुआ, आग फैल गई और धुआं फैल गया। इस भयानक हादसे में 265 से अधिक लोगों की जानें चली गईं। इस त्रासदी के बीच एक चमत्कारिक बचाव की कहानी भी सामने आई है। विमान में सवार रमेश विश्वास कुमार, जो इस हादसे के एकमात्र -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से मिले प्रधानमंत्री

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिनकी अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 68 वर्षीय रूपाणी लंदन जाने वाली उड़ान के 241 यात्रियों में शामिल थे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना स्थल का दौरा किया और यहां सिविल -शेष पृष्ठ दो पर

15 हजार बीघा सत्र की भूमि पर अतिक्रमण, मुख्यमंत्री ने चिंता जताई

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के सत्रों की भूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण पर गहरी चिंता व्यक्त की है - संत श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव द्वारा नव-वैष्णव मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए स्थापित मठ संस्थान। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि सत्र धार्मिक केंद्रों से कहीं अधिक हैं - वे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और शैक्षिक केंद्र हैं। उन्होंने लिखा कि सत्र हमारी सभ्यता की आत्मा हैं, उन्होंने असम के शास्त्रीय कला रूपों जैसे बोरगीत, सत्रिया नृत्य, पारंपरिक नाटक जैसे चाली, झुमुरा और दशावतार के साथ-साथ प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक अभिलेखागार को संरक्षित करने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। असम सत्र भूमि समस्या निगरानी और जांच आयोग के निष्कर्षों का हवाला देते हुए, शर्मा ने खुलासा किया कि राज्य भर में 15,288 बीघा से अधिक भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है। सबसे ज्यादा प्रभावित -शेष पृष्ठ दो पर

असम में एनडीए की बड़ी जीत, निर्विरोध रास के लिए चुने गए दो उम्मीदवार

गुवाहाटी। असम से एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के दो उम्मीदवार, भाजपा के कणाद पुरकायस्थ और असम गण परिषद (अगप) के वीरेंद्र प्रसाद बैश्य निर्विरोध रूप से राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। चुनाव अधिकारी के अनुसार, विपक्षी दलों ने राज्यसभा चुनाव के लिए कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया, जिसके चलते दोनों को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि गुरुवार -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. शर्मा ने रोस्मिता होजाई की रहस्यमय मौत की जांच की मांग की

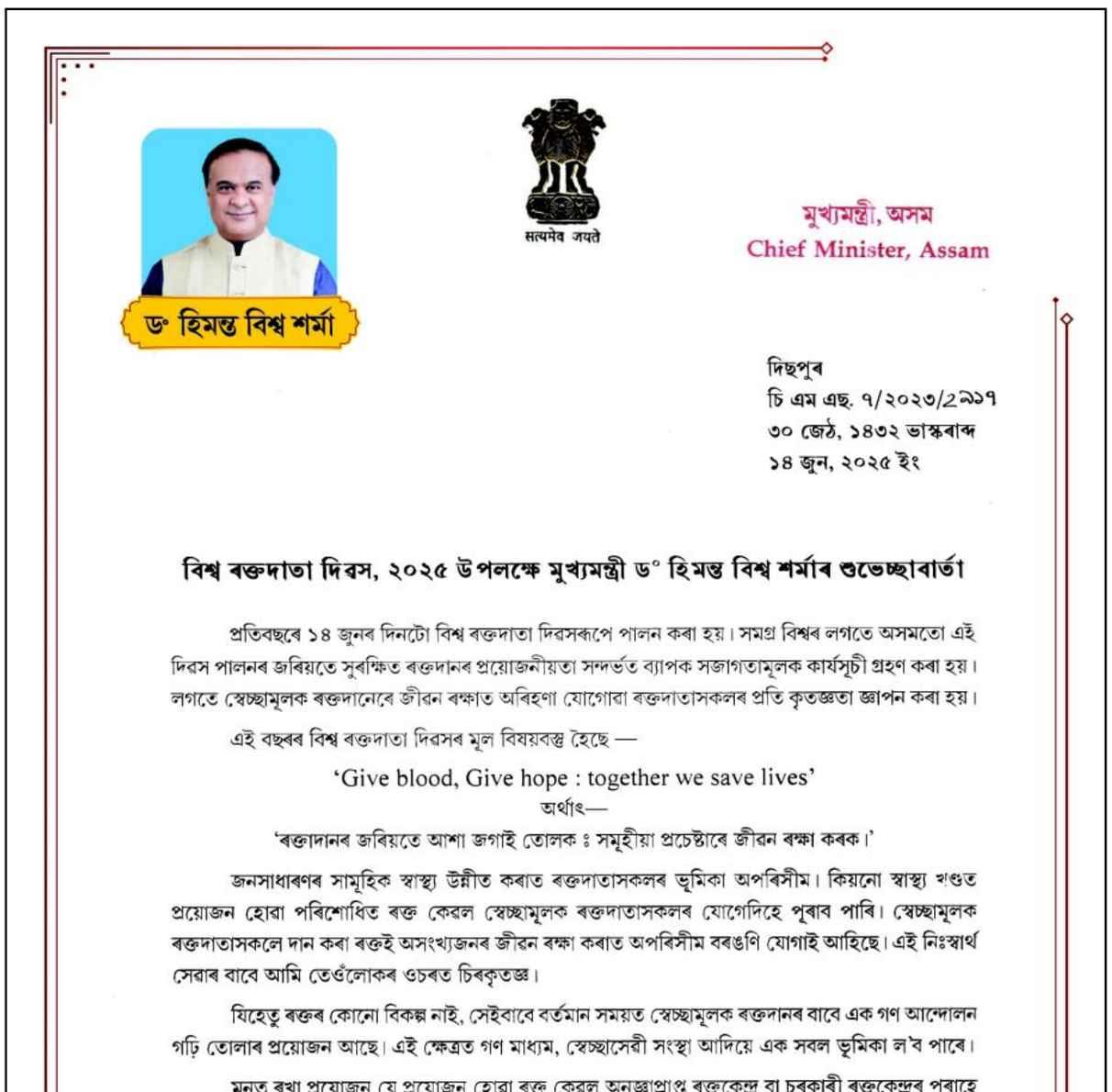

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उत्तराखंड के अपने समकक्ष से डीमा हसाउ जिले की एक युवती रोस्मिता होजाई की रहस्यमय मौत की व्यापक जांच शुरू करने का आग्रह किया है, जिसका शव उसके लापता होने की सूचना के पांच दिन बाद ऋषिकेश में गंगा नदी से बरामद किया गया था। परिवार के सदस्यों के अनुसार, रोस्मिता एक भर्ती परीक्षा के लिए दिल्ली गई -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में भीषण गर्मी के लिए समय से पहले मानसून और कमजोर बारिश को जिम्मेदार

गुवाहाटी / जोरहाट। असम इस समय भीषण गर्मी से जूझ रहा है, खासकर ऊपरी असम में, जहां तापमान मौसमी मानदंडों से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। विशेषज्ञों ने असामान्य गर्मी के लिए इस जून में बारिश में उल्लेखनीय कमी और कमजोर मानसून प्रणाली को जिम्मेदार ठहराया है, जिससे पूरे राज्य में निवासियों के लिए परेशानी बढ़ गई है। पिछले हफ्ते से पारा लगातार चढ़ता जा रहा है, 12 जून को जोरहाट में 38.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो इस समय के दौरान इस क्षेत्र के लिए हाल के इतिहास में सबसे ज्यादा तापमान है। -शेष पृष्ठ दो पर

चमत्कार : हादसे में लोहा तक गल गया लेकिन मलबे से सुरक्षित मिली भगवद् गीता

अहमदाबाद। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट के क्रैश होने की खबर ने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। टेकऑफ के कुछ ही सेकेंड बाद हुए इस हादसे में 241 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की जांच तेजी से जारी है, लेकिन अब इस भयावह त्रासदी के बीच एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। बिहार के चर्चित यूट्यूबर और पूर्व बीजेपी नेता मनीष कश्यप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि विमान के मलबे से भगवद् गीता की एक प्रति बिल्कुल सुरक्षित हालत में बरामद हुई है। उनके अनुसार, यह गीता एक यात्री के साथ थी -शेष पृष्ठ दो पर

एयर इंडिया के सभी बोइंग विमानों की होगी जांच : डीजीसीए

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा हुआ। यहां पर सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एअर इंडिया का एक विमान हादसे का शिकार हो गया। एअर इंडिया के विमान एआई 171 में कुल 242 लोग सवार थे। इस हादसे की जांच शुरू हो गई है। विमान का ब्लैक बॉक्स और डीवीआर बरामद कर लिया गया है। अब घटना के पीछे की मुख्य वजह तक पहुंचने में आसानी हो सकेगी। इस बीच -शेष पृष्ठ दो पर

सत्यमेव जयते

মুখ্যমন্ত্ৰী, অসম
Chief Minister, Assam

দিছপুৰ
চি এম এছ. ৭/২০২৩/২৯১৭
৩০ জেঠ, ১৪৩২ ভাস্কৰাব্দ
১৪ জুন, ২০২৫ ইং

বিশ্ব ৰক্তদাতা দিৱস, ২০২৫ উপলক্ষে মুখ্যমন্ত্ৰী ড° হিমন্ত বিশ্ব শৰ্মাৰ শুভেচ্ছাবাৰ্তা

প্ৰতিবছৰে ১৪ জুনৰ দিনটো বিশ্ব ৰক্তদাতা দিৱসৰূপে পালন কৰা হয়। সমগ্ৰ বিশ্বৰ লগতে অসমতো এই দিৱস পালনৰ জৰিয়তে সুৰক্ষিত ৰক্তদানৰ প্ৰয়োজনীয়তা সন্দৰ্ভত ব্যাপক সজাগতামূলক কাৰ্যসূচী গ্ৰহণ কৰা হয়। লগতে স্বেচ্ছামূলক ৰক্তদানেৰে জীৱন ৰক্ষাত অৰিহণা যোগোৱা ৰক্তদাতাসকলৰ প্ৰতি কৃতজ্ঞতা জ্ঞাপন কৰা হয়।

এই বছৰৰ বিশ্ব ৰক্তদাতা দিৱসৰ মূল বিষয়বস্তু হৈছে —

'Give blood, Give hope : together we save lives'

অৰ্থাৎ—

'ৰক্তাদানৰ জৰিয়তে আশা জগাই তোলক ঃ সমূহীয়া প্ৰচেষ্টাৰে জীৱন ৰক্ষা কৰক।'

জনসাধাৰণৰ সামূহিক স্বাস্থ্য উন্নীত কৰাত ৰক্তদাতাসকলৰ ভূমিকা অপৰিসীম। কিয়নো স্বাস্থ্য খণ্ডত প্ৰয়োজন হোৱা পৰিশোধিত ৰক্ত কেৱল স্বেচ্ছামূলক ৰক্তদাতাসকলৰ যোগেদিহে পূৰাব পাৰি। স্বেচ্ছামূলক ৰক্তদাতাসকলে দান কৰা ৰক্তই অসংখ্যজনৰ জীৱন ৰক্ষা কৰাত অপৰিসীম বৰঙণি যোগাই আহিছে। এই নিঃস্বাৰ্থ সেৱাৰ বাবে আমি তেওঁলোকৰ ওচৰত চিৰকৃতজ্ঞ।

যিহেতু ৰক্তৰ কোনো বিকল্প নাই, সেইবাবে বৰ্তমান সময়ত স্বেচ্ছামূলক ৰক্তদানৰ বাবে এক গণ আন্দোলন গঢ়ি তোলাৰ প্ৰয়োজন আছে। এই ক্ষেত্ৰত গণ মাধ্যম, স্বেচ্ছাসেৱী সংস্থা আদিয়ে এক সবল ভূমিকা ল'ব পাৰে।

মনত ৰখা প্ৰয়োজন যে প্ৰয়োজন হোৱা ৰক্ত কেৱল অনুজ্ঞাপ্ৰাপ্ত ৰক্তকেন্দ্ৰ বা চৰকাৰী ৰক্তকেন্দ্ৰৰ পৰাহে গ্ৰহণ কৰা উচিত। স্বেচ্ছামূলক ৰক্তদাতাসকলকো অনুজ্ঞাপ্ৰাপ্ত ৰক্তকেন্দ্ৰ, স্বেচ্ছামূলক ৰক্তদান শিবিৰ নতুবা ভ্ৰাম্যমাণ ৰক্তসংগ্ৰহকাৰী বাহনতহে ৰক্তদান কৰিবলৈ মই অনুৰোধ জনাইছোঁ।

আহক, আমি সকলোৱে ৰক্তদানৰ জৰিয়তে এখন সুস্থ সমাজ গঢ়াত সহায় কৰোঁ। আৰ্তজনক সময়মতে ৰক্তদান কৰি আমি তেওঁলোকৰ জীৱন ৰক্ষা কৰাৰ লগতে আত্মীয়-স্বজনৰ মুখতো হাঁহি বিৰিঙাব পাৰোঁ।

ধন্যবাদ।

(ড° হিমন্ত বিশ্ব শৰ্মা)

-- DIPR/D/VBS-31/14-Jun-25

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত
Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in
অসম বাৰ্তা ছাবস্ক্ৰাইব কৰিবলৈ ৭৬৩৬৮৩৪৯৪৩ ত Assam লিখি ৱাটছএপ কৰক

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

इजराइल का ईरान पर बड़ा हवाई हमला, परमाणु ठिकानों पर दागे बम

तेहरान (हि.स.)। इजराइल ने आज तड़के ईरान में कई स्थानों पर बम बरसाए। इस हमले से ईरान सकते में है। बम धमाकों से राजधानी तेहरान के बाशिंदे सहम गए। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, इजराइल की सरकार ने शुक्रवार सुबह ईरान के रिहायशी इलाकों पर हमला किया। ईरान की राजधानी तेहरान में कई जोरदार धमाके सुने गए। इसके कुछ ही देरबाद इजराइली सरकार ने घोषणा की कि उसने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है। इस बीच अमेरिका के *एबीसी न्यूज* चैनल की खबर में इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने शुक्रवार सुबह स्थानीय समयानुसार ईरान के विरुद्ध दर्जनों हमले किए। साथ ही इजराइल में आपातकाल की घोषणा की। कैट्ज ने बयान में कहा कि ईरान के विरुद्ध इजराइल के पूर्वव्यापी हमले के बाद निकट भविष्य में इजराइल और उसके नागरिक आबादी के विरुद्ध मिसाइल और ड्रोन हमला होने की आशंका है। उनकी इस घोषणा के बाद तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने शुरू हो गए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने वाशिंगटन में कहा कि

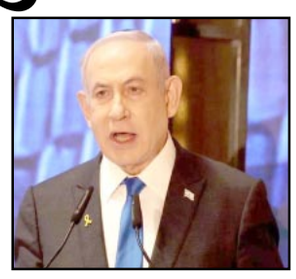

अमेरिका का इसमें कोई हाथ नहीं है। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इजराइल की सेना ने शुक्रवार सुबह ईरानी परमाणु सुविधा केंद्रों और शोध वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है। ईरानी राज्य टेलीविजन ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रमुख होसैन सलामी हमलों में मारे गए। संयुक्त राज्य अमेरिका का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं है। विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने बयान में कहा कि इजराइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की है। अमेरिका ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं हैं। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता मध्यपूर्व क्षेत्र में अमेरिकी सेना की सुरक्षा करना है। रुबियो ने कहा कि ईरान को अमेरिकी हितों या कर्मियों को निशाना नहीं बनाना चाहिए। ईरान के सरकारी मीडिया ने राजधानी तेहरान में जोरदार विस्फोटों और कुछ लोगों के हताहत होने की सूचना दी है। सरकारी टेलीविजन ने तेहरान के दक्षिण में स्थित शहर नतांज में हमलों की सूचना दी।

ईरान ने भी किया जवाबी हमला, सौ से ज्यादा ड्रोन दागे

तेल अवीव (हि.स.)। इजराइल के शुक्रवार सुबह के हवाई हमले में नष्ट ईरान के परमाणु सुविधा केंद्र, उसके परमाणु वैज्ञानिकों और सैन्य कमांडरों की मौत पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। प्रतिशोध की आग में झुलस रहे ईरान ने कुछ घंटे बाद इजराइल पर 100 से अधिक ड्रोन दागकर तबाही मचाने की कोशिश की। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इजराइल के डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने स्वीकार किया है कि इजरायल पर ईरान ने ड्रोन हमला किया है। आईडीएफ ने कहा कि ईरान ने यह हमला उसकी सैन्य कार्रवाई के कुछ घंटे बाद किया। इजराइल ने ईरानी परमाणु सुविधाओं, वैज्ञानिकों और वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को निशाना बनाकर नींद उड़ा दी है। आईडीएफ प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने टेलीविजन पर कहा कि इजराइल की हवाई सुरक्षा प्रणाली ईरानी खतरों को रोकने के लिए काम कर रही है।

बच्चों के जीवन को आकार देने में प्राथमिक शिक्षकों की अहम भूमिका : धर्मेंद्र सिंह

रोहतक (हिंस)। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि प्राथमिक शिक्षक एक बच्चे के जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे बच्चों को ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं जो उन्हें भविष्य में सफल जीवन जीने में मदद करते हैं। शुक्रवार को उपायुक्त राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी रोड में आयोजित बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर अध्यापकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षक बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे छात्रों को ज्ञान प्रदान करते हैं, उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षक छात्रों को पढ़ना, लिखना, और गणित जैसे बुनियादी कौशल सिखाते हैं। वे बच्चों को विभिन्न विषयों का ज्ञान भी प्रदान करते हैं जैसे कि विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, और कला। उन्होंने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि बच्चों का माइंड सेट करने में प्राथमिक अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्राथमिक अध्यापक ही बच्चों को भाषा का उच्चारण सीखते हैं, जो ताउम्र उनके काम आता है। इसके अलावा लेखन कौशल भी प्राथमिक अध्यापकों द्वारा ही सिखाया जाता है। उपायुक्त ने कहा कि प्राथमिक शिक्षक ही शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और बच्चों के उज्जवल भविष्य की नींव रखने वाले असली निर्माता हैं। इस अवसर पर उपायुक्त ने निपुण रोहतक पत्रिका का डिजिटल विमोचन भी किया। साथ ही प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले शिक्षकों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, दिलजीत सिंह, राजबाला, बिजेन्द्र हुड्डा, तुषार, जय भगवान, सुंदरलाल, रजनी, सुनीता अहलावत, सुरेंद्र दहिया, सुरेंद्र मोर, राजीव दलाल, सुनील खोखर, शमशेर व पूनम प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पठानकोट एयर फोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पठानकोट में शुक्रवार को एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। पायलट व अन्य जवान सुरक्षित हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। एयर फोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर ने शुक्रवार को पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरी थी। हलेड़ा गांव के पास पहुंचने पर तकनीकी खराबी आ गई। इमरजेंसी को देखते हुए पायलट ने उसे खेत में लैंड करा दिया। मामले की सूचना मिलते ही सेना और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। सेना के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी को दूर करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इस संबंध में अभी वायु सेना का कोई अधिकृत बयान नहीं आया है।

No.: JDB/6th-ASFC/2/2025-26/1096 *Date 10/06/2025*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders affixing a non-refundable Court fee stamp amounting Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 Days which will subsequence to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited form the registered Contractor of Class-I (A, B, C), Class-II, Class-III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC for the following works under 6th-ASFC fund for the year 2023-24 during 2024-25 under Jalah Dev. Block of BTC area. The Tenders will be received by the undersigned up to **2.30PM on 02/07/2025** and will be opened on the same date & place at 3.30PM.

Sl. No.	Name of Scheme	Tender Value (In Rs.)	Bid Security	Cost of BID documents (D/D) @ 0.03% (Approx.)	Time of Completion
1	Const. of Culvert at Kamlabari	Rs.3,00,000/-	Rs. 3,000/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 6,000/- @ 2% for General	Rs. 150/-	3 (Three) months from the date of issue of work order
2	Const. of Slab Culvert at Bortari near Modan Gohai Namghar	Rs.4,50,000/-	Rs. 4,500/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 9,000/- @ 2% for General	Rs. 195/-	3 (Three) months from the date of issue of work order
3	Const. of Culvert at Laxmatari village near Gobinda Mandir	Rs.3,00,000/-	Rs. 3,000/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 6,000/- @ 2% for General	Rs. 150/-	3 (Three) months from the date of issue of work order
4	Const. of Culvert at Kanthalguri village	Rs.3,00,000/-	Rs. 3,000/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs. 6,000/- @ 2% for General	Rs. 150/-	3 (Three) months from the date of issue of work order
5	Anti Erosion Measures to protect village Arkora on L/B river Kaldia	Rs.9,00,000/-	Rs. 9,000/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs.18,000/- @ 2% for General	Rs. 270/-	3 (Three) months from the date of issue of work order

Details NIT may be seen at the office of the undersigned from 10/06/2025 to 02/07/2025 up to 1.00PM.

Sd/-
Block Development Officer,
Jalah Dev. Block, Jalahghat

IPR(BTC)/C/2025-26/869

पृष्ठ एक का शेष

रात में देखते ...

सांप्रदायिक तनाव को फिर से भड़का दिया। शर्मा ने कहा कि मंदिरों और पवित्र स्थानों का अपमान एक अक्षम्य कृत्य है। हमने शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाया है। मैंने पुलिस को निर्देश दिया है कि रात में हिंसा या पत्थरबाजी करते पकड़े जाने पर तुरंत गोली मार दी जाए। कानून और व्यवस्था बहाल की जाएगी, चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े। मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि शाम छह बजे के बाद देखते ही गोली मारने का आदेश लागू किया जाएगा। अगर इस समय के बाद कोई भी व्यक्ति उपद्रव या हिंसा फैलाता हुआ दिखाई देता है तो उससे मौके पर ही निपटा जाएगा। कार्रवाई में सहयोग के लिए जिले में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की टुकड़ियां तैनात की जा रही हैं। राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी अभियान की निगरानी के लिए धुबड़ी में तैनात रहेंगे। शर्मा ने जोर देकर कहा कि सभी पहचाने गए अपराधियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हम पूरी ताकत से काम करेंगे। धुबड़ी को सांप्रदायिक अशांति का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। हमारी सरकार उन लोगों को कभी नहीं छोड़ेगी जो असम में धार्मिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश करते हैं। मुख्यमंत्री ने वर्तमान स्थिति को गोमांस तस्करी के बढ़ते गठजोड़ से जोड़ा। उन्होंने कहा कि इस साल ईद से पहले पश्चिम बंगाल से हजारों गायें लाई गईं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। मुझे संदेह है कि इस क्षेत्र में एक नया गोमांस माफिया सक्रिय हो गया है। जांच चल रही है और इस अवैध व्यापार के पीछे के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया जाएगा। शर्मा ने तनाव को बाहरी प्रभाव से भी जोड़ा। नबीन बांग्ला के पोस्टर स्पष्ट रूप से राष्ट्र विरोधी भावनाओं को भड़काने का प्रयास हैं। बांग्लादेश आज जेहादी तत्वों को बढ़ावा दे रहा है, और इसकी अस्थिर सरकार के साथ, हम सीमा पार दुष्प्रचार के खतरे को नजरअंदाज नहीं कर सकते। एक मजबूत भावनात्मक अपील में, शर्मा ने धुबड़ी में शांति बनाए रखने के अपने संकल्प को दोहराया, उन्होंने घोषणा की अगले साल से मैं व्यक्तिगत रूप से ईद की रात यहां आऊंगा और ठहरूंगा। ऐसी घटनाएं फिर नहीं होंगी। भले ही इसका मतलब हनुमान मंदिर के पास रात बिताना हो, मैं यहां रहूंगा। मैं धुबड़ी को सांप्रदायिक ताकतों के हाथों में नहीं जाने दूंगा। उन्होंने व्यापारी समुदाय से भी सहयोग करने का आग्रह किया तथा उनसे अपनी दुकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने को कहा ताकि बदमाशों की पहचान करने में मदद मिल सके। शर्मा ने कहा कि जनता का समर्थन बहुत जरूरी है। धुबड़ी का औसत हिंदू या मुस्लिम निवासी शांतिप्रिय है। लेकिन कुछ लोग पूरे माहौल को जहरीला बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें अलग-थलग करने और गिरफ्तार करने के लिए हमें आपके समर्थन की जरूरत है। धुबड़ी में अशांति गुवाहाटी में हुई एक घटना के बाद हुई है, जहां कॉटन यूनिवर्सिटी के पास कॉटन हॉस्टल रोड के पास 7 जून को संदिग्ध गाय के मांस के अवशेष पाए गए थे। अज्ञात बदमाशों द्वारा देर रात को की गई इस घटना से व्यापक आक्रोश फैल गया। प्रतिबंधित मांस की उत्पत्ति और इस कृत्य में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई। सीएम ने कहा कि पैटर्न स्पष्ट है। ये कृत्य अलग-थलग नहीं हैं, ये जानबूझकर उकसावे की कार्रवाई है। लेकिन हम ताकत और तेजी से जवाब देंगे। इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री ने बढ़ते सांप्रदायिक उकसावे पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के दीर्घकालिक सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए असम में गोमांस को हथियार बनाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर हाल ही में गौमांस पाए जाने की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं को भड़काने का जानबूझकर किया गया प्रयास बताया। शर्मा ने चेतावनी दी कि अगर समाज द्वारा ऐसी हरकतों को चुनौती नहीं दी गई तो यह एक खतरनाक मिसाल कायम कर सकता है और असम के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट कर सकता है। उन्होंने जनता से ऐसी भड़काऊ हरकतों की कड़ी निंदा करने का आह्वान किया और सांप्रदायिक अशांति भड़काने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। राज्य सरकार ने आश्वासन दिया है कि शांति बहाल की जाएगी और उसे कायम रखा जाएगा तथा सभी सांप्रदायिक षड्यंत्रों से सख्ती से निपटा जाएगा।

नवीन बांग्ला पोस्टर ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी के मनसूबे पूरे नहीं होंगे। मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि बकरीद से एक दिन पहले *नवीन बांग्ला* नामक एक अज्ञात संगठन द्वारा जिले में उकसाने वाले पोस्टर लगाए गए थे। इन पोस्टरों में उत्तेजक स्लोगन और *धुबड़ी को बांग्लादेश में मिलाने* जैसे दावे थे। इनमें से एक पोस्टर सेना के सिग्नल ढांचे पर भी चिपकाया गया था, जो बेहद गंभीर बात है। जितने भी अपराधी किस्म के लोग हैं तथा जिनके विरुद्ध वारंट लंबित हैं, ऐसे सभी आसामाजिक तत्वों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ सांप्रदायिक तत्व असम की शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन राज्य सरकार कानून-व्यवस्था को हाथ में लेने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी। रात में उपद्रव करने वालों पर गोली चलाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। जो भी पथराव या दंगा फैलाने की कोशिश करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने साफ संदेश दिया कि असम की एकता और सद्भावना के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी। स्थानीय प्रशासन और पुलिस की ओर से धुबड़ी में अब सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने लोगों से संयम बरतने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

धुबड़ी में अल्पसंख्यकों ...

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने इस आदेश पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। रजवी ने कहा कि असम सरकार का यह कदम अल्पसंख्यकों को डराने और उन्हें निशाना बनाने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने मुख्यमंत्री शर्मा पर आरोप लगाया कि वे शुरू से ही मुस्लिम समुदाय के प्रति दुर्भावनापूर्ण रवैया अपना रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि एनआरसी के जरिए जिनके नाम लिस्ट में नहीं आए, उन्हें राज्य से निकाला गया। अब मंदिरों पर हमले का बहाना बनाकर मुस्लिम समुदाय को हिंसा का निशाना बनाया जा रहा है। रजवी ने मंदिरों पर हमले की आशंका को पूरी तरह बेबुनियाद और झूठा बताया। उन्होंने कहा कि भारत में हर धर्म के अनुयायी दूसरे धर्म के स्थलों का सम्मान करते हैं और धार्मिक हिंसा किसी भी मजहब की शिक्षा नहीं है। यह आरोप केवल मुसलमानों को बदनाम करने और उनके खिलाफ कार्रवाई का बहाना है। रजवी ने कहा कि गोली मारने जैसे आदेश संविधान और कानून के खिलाफ हैं। यह कदम न्यायिक प्रक्रिया की अनदेखी करता है और लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए।

काला गुरुवार : पीएम...

गए हैं। इस खालीपन को आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा। वहीं हादसे में ब्रिटेन, कनाडा और पुर्तगाल के नागरिकों ने भी जान गंवाई है। विदेश मंत्री ने इन देशों के विदेश मंत्रियों से संपर्क साधा है और संवेदना प्रगट की है। एक्स पर उन्होंने बताया कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के संबंध में यूके के विदेश मंत्री डेविड लैमी, पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रंगेल और कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के संपर्क में हैं। उन्होंने इन नेताओं से अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और दुख की इस घड़ी में पूरा समर्थन देने की पेशकश की है। उल्लेखनीय है कि कल अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान उड़ान के दो मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह अहमदाबाद पहुंचकर दुर्घटना स्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों ने विस्तार से दुर्घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने विमान हादसे के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मेडिकल हॉस्टल और मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने अहमदाबाद सिविल अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और परिजनों का ढांढस बंधाया। दुर्घटना में घायल हुए चिकित्सकों और हेल्थकेयर वर्कर्स से भी प्रधानमंत्री ने मुलाकात की और उपचार कर रहे डॉक्टरों से मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर हादसे के बाद की परिस्थितियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्लेन से कूदा नहीं ...

जीवित बचा यात्री हैं, का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मुलाकात कर हालचाल जाना। विश्वास कुमार ने अस्पताल के बेड से अपनी दर्दनाक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि जैसे ही विमान ने रनवे पर स्पीड पकड़ी, कुछ अजीब सा महसूस हुआ। अचानक सब कुछ थम सा गया और फिर ग्रीन-व्हाइट लाइटें चमकने लगीं। शायद पायलट टेकऑफ के लिए पूरा जोर लगा रहा था। लेकिन उसके कुछ ही सेकंड बाद विमान हॉस्टल की बिल्डिंग से टकरा गया। उन्होंने बताया कि उनका बैठने का स्थान विमान के नीचे वाले हिस्से में था, जो बिल्डिंग के निचले भाग से टकराया। ऊपर के हिस्से में आग लगी और कई लोग फंसे रह गए। वह जैसे-तैसे विमान से बाहर निकल पाए, जबकि अगली तरफ दीवार होने के कारण कोई निकल नहीं पाया। उन्होंने बताया कि ऊपर के हिस्से में आग लग गई थी, कई लोग वहीं फंसे रह गए और मैं सीट सहित नीचे गिर गया था जिससे बच गया। दरवाजा टूट गया था, और सामने कुछ खाली जगह दिखी, तो निकलने की कोशिश की। रमेश विश्वास ने बताया कि उनकी आंखों के सामने ही दो एयर होस्टेस, एक अंकल-आंटी की लाश जल रही थी। विश्वास कुमार की आंखों के सामने कई यात्री, एयर होस्टेस और अन्य लोग जलते हुए दिखाई दिए। हादसे में उनका बायां हाथ बुरी तरह जल गया, लेकिन जान बच गई। बाहर निकलते ही उन्होंने देखा कि आग फैल रही है, और अगर थोड़ी देर और होती तो हालात और भी खराब हो सकते थे। विश्वास के साथ उनका बड़ा भाई अजय भी सफर कर रहा था, लेकिन उसकी स्थिति अभी अनिश्चित है। परिवार और परिजन लगातार उसकी खबरों का इंतजार कर रहे हैं। विश्वास के दूसरे भाई ने बताया कि रमेश अस्पताल में ठीक है, लेकिन अजय के बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है। वे जल्द ही भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। परिवार, रिश्तेदार और पड़ोसी इस हादसे से गहरे सदमे में हैं।

पूर्व सीएम विजय ...

अस्पताल में घायल पीड़ितों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने शहर में रूपाणी के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि विजयभाई रूपाणी जी के परिवार से मुलाकात की। यह अकल्पनीय है कि विजयभाई हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता हूं। हमने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिसमें कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण समय भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, पार्टी की विचारधारा के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध थे। पद पर बढ़ते हुए उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगन से काम किया।

15 हजार बीघा सत्र की ...

जिला बारपेटा है, जहां 7,137 बीघा से ज्यादा जमीन पर अतिक्रमण है। अन्य महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित जिलों में बोजाली, नगांव, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, कामरूप, बंगाईगांव, माजुली और धुबड़ी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कठोर वास्तविकता है जिसका हम सामना कर रहे हैं। लेकिन दर्द के बावजूद, हम अपनी जड़ों की रक्षा करने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सत्रों की सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, न कि केवल सरकार का कर्तव्य। उन्होंने कहा कि हम मिलकर अपनी विरासत के हर इंच को बहाल करेंगे और उसकी रक्षा करेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में मंगलवार को सत्र भूमि से संबंधित मुद्दों का आकलन करने के लिए नवंबर 2021 में गठित सत्र आयोग ने लोक सेवा भवन में मुख्यमंत्री को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपी। विधायक प्रदीप हजारिका की अध्यक्षता में आयोग ने 126 सत्रों का दौरा किया और कई प्रमुख सिफारिशें प्रस्तुत कीं। आयोग को धन्यवाद देते हुए शर्मा ने कहा कि रिपोर्ट का गहन अध्ययन किया जाएगा और उन्होंने सत्रों के कल्याण के लिए काम करने हेतु वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियों के साथ एक स्थायी सत्र आयोग स्थापित करने की योजना की घोषणा की। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सभी 922 सत्रों को सशक्त बनाना अकेले सरकार के लिए कठिन हो सकता है, और उन्होंने जनता से इन ऐतिहासिक संस्थाओं की विरासत को संरक्षित करने और इनके मिशन का समर्थन करने में हाथ मिलाने का आग्रह किया।

असम में एनडीए की...

थी। अधिकारी ने बताया, चूंकि विपक्ष की ओर से कोई उम्मीदवार नहीं था, इसलिए भाजपा के कणाद पुरकायस्थ और अगप के वीरेंद्र प्रसाद बैश्य को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। इन दोनों सीटों के लिए चुनाव 19 जून को प्रस्तावित थे, लेकिन अब चुनाव की आवश्यकता नहीं रह गई। जानकारी के मुताबिक कणाद पुरकायस्थ पहली बार संसद सदस्य बनेंगे। वे वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कबिंद्र पुरकायस्थ के बेटे हैं। वे सिलचर से ताल्लुक रखते हैं। वर्तमान में वे भाजपा की राज्य इकाई के सचिव हैं। वीरेंद्र प्रसाद बैश्य वयोवृद्ध अगप नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। यह उनका राज्यसभा में तीसरा कार्यकाल होगा। वे एक बार लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। असम से राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव बैश्य और भाजपा के रंजन दास का कार्यकाल 14 जून को समाप्त होने के कारण कराए जा रहे हैं। वर्तमान में असम से राज्यसभा की कुल सात सीटें हैं। इनमें से चार भाजपा के पास हैं। एक-एक पर इसके सहयोगी दल, अगप और यूपीपीएल जबकि एक सीट पर निर्दलीय सांसद सदस्य का प्रतिनिधित्व है।

डॉ. शर्मा ने रोस्मिता ...

थी और बाद में दो व्यक्तियों के साथ ऋषिकेश गई थी, जहां वह 6 जून को कथित तौर पर लापता हो गई थी। बाद में उसका शव ऐसी परिस्थितियों में पाया गया, जिससे गड़बड़ी की प्रबल आशंका पैदा हो गई है। असम में जीरो एफआईआर दर्ज की गई और बाद में उत्तराखंड के संबंधित पुलिस स्टेशन को ट्रांसफर कर दी गई। जनता की बढ़ती चिंता को देखते हुए, मुख्यमंत्री शर्मा ने व्यक्तिगत रूप से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से घटना की समयबद्ध, बहुकोणीय जांच सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। शर्मा ने एक आधिकारिक संदेश में कहा कि मैंने उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री से इस मुद्दे की बारीकी से जांच करने के लिए बात की है ताकि न्याय मिल सके। इस त्रासदी से स्तब्ध परिवार ने त्वरित कार्रवाई की मांग की है, तथा उसके लापता होने और मौत में संभावित आपराधिक संलिप्तता का आरोप लगाया है। दोनों राज्यों के अधिकारियों ने सहयोग का वादा किया है, क्योंकि इस मामले में न्याय के लिए दबाव बढ़ रहा है, जिसने पूरे असम को झकझोर कर रख दिया है।

राज्य में भीषण गर्मी ...

परंपरागत रूप से, जून में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस या उससे कम रहता है, क्योंकि नियमित बारिश होती है, जो इस बार काफी कम रही है। असम कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. आरएल डेका ने बताया कि 8 जून से ऊपरी असम में तापमान औसत से लगभग 6 डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यह असामान्य वृद्धि जून के दौरान कम वर्षा का प्रत्यक्ष परिणाम है, जो कि आमतौर पर भारी वर्षा के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि अधिकांश वर्षों में बारिश से तापमान नियंत्रित रहता है। लेकिन इस साल, खासकर ऊपरी असम में बारिश में भारी कमी आई है। डॉ. डेका ने आगे बताया कि कुछ भागों में छिटपुट वर्षा के कारण निचले असम में तापमान थोड़ा कम रहा। उन्होंने कहा कि हालांकि पूरा राज्य सामान्य से अधिक गर्म है, लेकिन निचले असम में कुछ वर्षा हुई है, जिससे वहां तापमान को कुछ हद तक नियंत्रित करने में मदद मिली है। दिलचस्प बात यह है कि जून में स्थिति मई में असामान्य मौसम पैटर्न के कारण बनी है। पिछले महीने राज्य में अत्यधिक बारिश हुई, जिससे आमतौर पर कम दबाव वाले क्षेत्र बनते हैं, जिससे जून की शुरुआत में मानसूनी हवाएं चलती हैं। हालांकि, इस साल मानसून की हवाएं असम में समय से पहले 26 मई को ही पहुंच गईं, जो 5 जून को आने की उम्मीद से काफी पहले थी। इस समय से पहले आने की वजह से जून में मानसून कमजोर पड़ गया, जिससे पूरे राज्य में बारिश कम हुई, जबकि इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। मौसमी सौर तीव्रता भी इसका एक कारण है। 21 जून को साल का सबसे लंबा दिन होने के कारण, बादलों की अनुपस्थिति ने सूर्य की किरणों को और अधिक तीव्र कर दिया है, जिससे जमीन और हवा और भी अधिक गर्म हो गई है। राज्य में वायुमंडलीय नमी का स्तर भी कम दर्ज किया गया, जिससे परेशानी बढ़ गई तथा गर्मी और अधिक कष्टकारी हो गई।

चमत्कार : हादसे में ...

और जब बचाव टीम मलबा खंगाल रही थी, तब यह पवित्र ग्रंथ बिल्कुल सही हालत में मिला — न एक पन्ना फटा, न कोई जलन या नुकसान। वीडियो में कथित तौर पर क्रैश साइट को दिखाया गया है, जहां राहत और बचाव कार्य जारी है। एक व्यक्ति हाथ में भगवद् गीता लिए हुए नजर आता है, जो पूरी तरह से सलामत है। वीडियो में गुजराती भाषा में कुछ बोर्ड और संकेत भी दिखाई देते हैं, जिससे दावा किया जा रहा है कि यह स्थान अहमदाबाद एयरक्रैश साइट ही है। मनीष कश्यप ने ट्वीट कर कहा कि विमान में एक यात्री भगवद् गीता लेकर यात्रा कर रहे थे। हादसे के बाद गीता मलबे में अक्षत अवस्था में मिली है। यह किसी चमत्कार से कम नहीं। फिलहाल इस वीडियो और दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एयर इंडिया के सभी ...

डीजीसीए ने एयर इंडिया के बोइंग 787-8 और 787-9 बेड़े के गहन सुरक्षा निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। डीजीसीए ने ये फैसला अहमदाबाद में हुए भयानक हादसे के बाद लिया है। एअर इंडिया का एआई 171 विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। इस विमान में क्रू मेंबर के साथ कुल 242 लोग सवार थे। इस भीषण हादसे में केवल एक यात्री जान बची है। जिसका उपचार अस्पताल में चल रहा है। इस विमान हादसे ने पूरी दुनिया में एक हलचल पैदा कर दी है। शुक्रवार को गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने अहमदाबाद एअरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के मलबे से डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद कर लिया है। इसके साथ ही बीजे मेडिकल कॉलेज की छत से ब्लैक बॉक्स भी बरामद कर लिया है। डीवीआर और ब्लैक बॉक्स के मिलने के बाद विमान हादसे की वजह तलाशी जा सकेगी।

अवैध रूप से लाई गई 280 बैग यूरिया बरामद, ट्रक जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी की वशिष्ठ थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए गुवाहाटी के बाहरी इलाका जोराबाट पुलिस चौकी के नाका चेकिंग प्वाइंट पर एक ट्रक से भारी मात्रा में यूरिया बरामद किया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त करने के साथ ही ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। असम पुलिस मुख्यालय से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार वशिष्ठ थाना पुलिस ने एक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए यूरिया के भरे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस को एएस-28सी-9430 नंबर वाले ट्रक के द्वारा अवैध रूप से यूरिया उर्वरक ले जाने के बारे में एक इनपुट मिला था, इनपुट में बताया गया कि ट्रक जोराबाट के रास्ते मेघालय जा रहा है, बसिष्ठा पुलिस ने कार्रवाई करे हुए जोराबाट नाका चेकिंग प्वाइंट पर ट्रक को रोका और उसके ड्राइवर से कागजात की मांग की, लेकिन यूरिया की बिक्री और खरीद के साथ-साथ परिवहन के लिए किसी भी तरह के वैध दस्तावेज वह नहीं दिखा सका। उसके बाद पुलिस ने भारत यूरिया (प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना) मार्का के रूप में चिह्नित 280 बैग यूरिया उर्वरक से लदे ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस ने छत्तीस वर्षीय ट्रक चालक शाहिदुल खान को गिरफ्तार कर लिया है। वह बरपेटा के सर्थेबारी का रहने वाला है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यूरिया को ट्रक के जरिए कहां से लाया जा रहा था। साथ ही इस अवैध धंधे में कौन-कौन शामिल है।-

गोमांस बरामद होने वाले धुबड़ी के हनुमान मंदिर का सीएम ने किया दौरा

धुबड़ी (हिंस)। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने शुक्रवार को धुबड़ी जिला शहर के 3 नंबर वार्ड के बालूचर स्थित हनुमान मंदिर का दौरा किया। बकरीद के अगले दिन इस हनुमान मंदिर से संदिग्ध गो-मांस बरामद हुआ था। इसके बाद ही इलाके में अप्रिय स्थिति उत्पन्न हुई थी। मुख्यमंत्री ने उक्त मंदिर का दौरा करने के साथ ही मंदिर संचालन समिति के सदस्यों के साथ बातचीत भी की। मुख्यमंत्री ने मंदिर की सुरक्षा और इलाके में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिला आयुक्त और जिला पुलिस अधीक्षक को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश भी दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि मैंने धुबड़ी का दौरा किया और कानून प्रवर्तन अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हमारे मंदिरों, नामघरों और पवित्र स्थानों को अपवित्र करने वाले तत्वों के खिलाफ शून्य सहनशीलता का पालन करें। उन्होंने कहा है कि शहर के हनुमान मंदिर में गोमांस फेंकने की घटना कभी नहीं होनी चाहिए थी और इसमें शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उल्लेखनीय है कि धुबड़ी जिला प्रशासन ने इस घटना के बाद कानून-व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 163(ए) लागू करने का निर्णय लिया था।

हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के विभिन्न स्थानों पर इन दिनों जंगली हाथियों का आतंक है। जिले के विभिन्न स्थानों पर जंगली हाथी स्थानीय लोगों पर आए दिन हमले कर रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार की देर रात रंगजुली में जंगली हाथी ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। वन विभाग के मुताबिक बीती रात रंगजुली थानांतर्गत औगुरी-गारोपारा में झुंड से निकलकर आए एक जंगली हाथी के हमले में विंस्टन सांगमा (71) नामक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के वक्त विंस्टन सांगमा अपने घर के दरवाजे के सामने एक बेंच पर बैठे थे, इसी बीच अचानक जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया, हाथी के हमले से विंस्टन सांगमा की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना वन विभाग और पुलिस के अधिकारियों को दी। जानकारी मिलने पर रंगजुली वन क्षेत्रीय कार्यालय के वनकर्मी और रंगजुली थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और उसे रंगजुली थाने लायी।

धुबड़ी में सांसद निधि कार्यों की रकीबुल हुसैन ने की समीक्षा

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद रकीबुल हुसैन ने धुबड़ी आवर्त भवन में आयोजित बैठक में सांसद निधि से कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और संबंधित विभागों से चर्चा कर कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करने की हिदायत दी। समीक्षा बैठक के दौरान सांसद ने जिले की हालिया स्थिति को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं से जुड़े किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाना चाहिए। सांसद हुसैन ने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि हालात और न बिगड़ें, इसके लिए सख्त कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि अपराधियों या उनके समर्थकों के प्रति कोई नरमी न बरती जाए और जनता को भी प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। इसके अलावा सांसद रकीबुल हुसैन ने गोरक्षा के नाम पर हो रही घटनाओं और बाढ़ की समस्या को राष्ट्रीय मुद्दा बताते हुए इसके स्थायी समाधान के लिए केंद्र सरकार से पहल की मांग की। बैठक के अंत में उन्होंने जिले में खेल सुविधाओं के विकास को लेकर धुबड़ी खेल संघ के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक की और जरूरी कदम उठाने का आश्वासन दिया।

लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने शुक्रवार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। सेना के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि उनके साथ 101 एरिया के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल संजय मलिक (एसएम) और मेजर जनरल आरडी शर्मा भी मौजूद थे। भेंट के दौरान सैन्य और नागरिक प्रशासन के बीच सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श हुआ। बातचीत में पूर्व सैनिकों के कल्याण, राज्य में शांति और विकास को मजबूती देने तथा साझा पहलों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सेना के राष्ट्र सुरक्षा में अहम योगदान और राज्य के विकास व कल्याणकारी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका की सराहना की। यह मुलाकात असम में नागरिक-सैन्य समन्वय को और प्रगाढ़ करने की दिशा में भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

धुबड़ी की स्थिति को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जताई चिंता

गौरव गोगोई ने की दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। धुबड़ी में हाल ही में उत्पन्न हुई अशांति की स्थिति को लेकर असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व सांसद गौरव गोगोई ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि धुबड़ी में शांति भंग करने की साजिश में शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान कर प्रशासन को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए और उन्हें सख्त सजा दी जानी चाहिए। गौरव गोगोई ने यह भी कहा कि दोषियों पर कार्रवाई करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई निर्दोष नागरिक अनावश्यक रूप से परेशान न हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि जैसे आम नागरिकों की यह जिम्मेदारी है कि वे संविधान और कानून का सम्मान करें, वैसे ही संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की भी यह समान ज़िम्मेदारी बनती है। उन्होंने सभी संवेदनशील नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हम विभिन्न समुदायों के बीच सौहार्द, विश्वास, आस्था और आपसी सम्मान की जो डोर है, उसे कभी टूटने नहीं दे सकते। ऐसे समय में समाज के सभी वर्गों को चाहिए कि वे ऐसे किसी भी बयान या कृत्य से बचें जिससे किसी की भावना आहत हो या आपसी भरोसे को ठेस पहुंचे। गोगोई ने कहा कि उकसाने वाले बयानों की जगह हमें संयम, धैर्य, विश्वास और पारस्परिक सौहार्द बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए। यही समय की मांग है।

बाढ़ से पहले तैयारी : माजुली में सेना, एसडीआरएफ प्रशासन का संयुक्त *ऑपरेशन जल राहत* अभ्यास

माजुली (हिंस)। असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने माजुली द्वीप ज़िले में एसडीआरएफ और जिला प्रशासन के साथ मिलकर *ऑपरेशन जल राहत* के तहत एक संयुक्त अभ्यास किया। सेना के जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, ब्रह्मपुत्र और सुबनसिरी नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण हाल के वर्षों में माजुली, जो विश्व का सबसे बड़ा नद द्वीप है, को भीषण बाढ़ की त्रासदी का सामना करना पड़ा है। इसी अनुभव के मद्देनजर यह संयुक्त अभ्यास किया गया, जिससे आपदा की स्थिति में राहत व बचाव कार्यों को और अधिक समन्वित और प्रभावी बनाया जा सके। अभ्यास के दौरान रस्सियों और नावों की मदद से फंसे हुए लोगों को बचाने की तकनीकों का अभ्यास किया गया। साथ ही राहत सामग्री के रूप में खाद्य वस्तुएं, स्वच्छ पेयजल, कपड़े और स्वच्छता किट वितरित की गईं। विस्थापित लोगों के लिए सेना द्वारा अस्थायी टेंट लगाए गए, वहीं एक अस्थायी चिकित्सा शिविर में सेना के डॉक्टरों ने बाढ़ प्रभावितों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं दीं। इस दौरान सेना ने अपने आदर्श वाक्य *सर्विस बिफोर सेल्फ* को चरितार्थ करते हुए यह दिखाया कि संकट की घड़ी में त्वरित, संगठित और समर्पित प्रयासों से न सिर्फ जानें बचाई जा सकती हैं, बल्कि प्रभावित समुदायों का पुनर्निर्माण भी संभव है। यह अभ्यास राहत और बचाव अभियानों की तैयारी को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चिरांग में उन्नत योग पार्क का भव्य उद्घाटन 16 को

जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी

चिरांग। चिरांग जिला प्रशासन, राष्ट्रीय आयुष मिशन, असम के सहयोग से, सोमवार को नए उन्नत योग पार्क का उद्घाटन करने जा रहा है। प्रतियोगिता मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एणडीएनआईवाई), नई दिल्ली द्वारा विकसित कॉमन योग प्रोटोकॉल का पालन करेगी। यह आयु समूहों के आधार पर चार अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। श्रेणी एक, 10 वर्ष तक की आयु के प्रतिभागियों के लिए और श्रेणी दो, 10 से अधिक और 18 वर्ष तक की आयु के प्रतिभागियों के लिए, काजलगांव के परेड ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। श्रेणी तीन, 18 से अधिक और 35 वर्ष तक की आयु के प्रतिभागियों के लिए और श्रेणी चार, 35 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों के लिए, नए उन्नत योग पार्क में आयोजित की जाएगी। इस पहल का नेतृत्व एडीसी (स्वास्थ्य) शिल्पिका कलिता कर रही हैं। राजू कुमार दास, जिले के आयुष नोडल अधिकारी। उनके प्रयासों का उद्देश्य सामुदायिक जीवन में योग के एकीकरण को मजबूत करना है, साथ ही सभी आयु समूहों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। जिला प्रशासन जनता को स्वास्थ्य, अनुशासन और सांस्कृतिक गौरव के इस उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है। उन्नत योग पार्क स्वास्थ्य और टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए चिरांग की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

कोबाइकटा सत्र की 46 बीघा जमीन पर अतिक्रमण मुख्यमंत्री की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद खुलासा

नगांव (हिंस)। असम के सत्रों (मठ) की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सत्र भूमि समस्या की समीक्षा और परीक्षण के लिए गठित आयोग द्वारा 9 जून को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के बाद यह मुद्दा चर्चा में आया। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को इस विषय को सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद सत्रों की जमीनों पर अतिक्रमण का यह गंभीर मामला सुर्खियों में आ गया। बटद्रवा नरोवा सत्र के सत्राधिकार अम्लान ज्योति देव गोस्वामी ने इस संबंध में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने जो जानकारी साझा की है, वह वास्तव में भयावह है। आज भी कई सत्रों की जमीन अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। यह कैसे और किस स्तर पर हुआ, इसका विश्लेषण होना चाहिए और इन जमीनों को मुक्त कराकर सत्र संस्कृति को बचाने के लिए सरकार को कदम उठाने चाहिए। उल्लेखनीय है कि कोबाइकटा सत्र, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की स्मृति से जुड़ा ऐतिहासिक स्थल है, जो बटद्रवा थाना क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से में स्थित है। वर्ष 1983 से यह सत्र लगभग उपेक्षित अवस्था में है और वर्तमान में मात्र दो कट्ठा भूमि पर एक छोटे से नामघर और कुछ दीप जलाने वालों के सहारे अस्तित्व में है। 1983 तक यह सत्र करीब 200 परिवारों और भक्ति-वैष्णव अनुयायियों की उपस्थिति से नाम-कीर्तन से गूंजता था। लेकिन धीरे-धीरे लोग इसे छोड़कर अन्य जगहों पर बस गए। अब आयोग ने खुलासा किया है कि कोबाइकटा सत्र की 46 बीघा जमीन पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है। इसी तरह बटद्रवा क्षेत्र के कई अन्य ऐतिहासिक सत्र भी अतिक्रमण की चपेट में हैं। रामपुर सत्र, जहां श्रीमंत शंकरदेव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी, भी इसी तरह संकट में है। यह सत्र एक समय 600 बीघा जमीन का मालिक था, लेकिन अब सरकारी उपेक्षा और राजस्व विभाग की अनियमितताओं के चलते इसके नाम पर मात्र 297 बीघा जमीन रह गई है, जो वर्तमान में अतिक्रमण में है। इसके अलावा बटद्रवा थाना क्षेत्र के उत्तर में स्थित बालिसत्र की 500 बीघा ग्रेजिंग रिजर्व भूमि, ऊपर डुमडुमिया सत्र की 500 बीघा, रजाबाड़ी ग्रेजिंग रिजर्व की 500 बीघा, शलगुरी लटेरी सत्र, पानबाड़ी सत्र की जमीन और बालिसत्र की साप्ताहिक बाजार वाली भूमि पर भी अतिक्रमण की पुष्टि हुई है। कई जगहों पर तो पक्के भवन बनाकर इसका अतिक्रमण किया गया है। राज्य सरकार द्वारा इन मामलों में क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे, इस पर अब सबकी नजर टिकी हुई है।

एसएसबी ने सीमावर्ती क्षेत्र में लगाया नि:शुल्क पशुचिकित्सा शिविर

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली की सीमा चौकी सरलापाड़ा के अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती कार्यक्षेत्र सरलापाड़ा गांव (सुपर मार्केट) में जन कल्याण योजना के तहत दिनांक 13.06.2025 को पशुचिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वाहिनी मुख्यालय के डॉ. ई चौबा सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमे नि:शुल्क पशु चिकित्सा जांच/उपचार एवं दवाइयां वितरित की गई। इस नि:शुल्क पशुचिकित्सा शिविर में 38 मवेशियों का जांच/उपचार किया गया । इस कार्यक्रम में सीमा चौकी सरलापाड़ा में उपस्थित सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने शिविर में आये ग्रामीणों को बढ़-चढ़ कर सहयोग किया। कार्यक्रम को देखकर सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल के द्वारा आयोजित पशुचिकित्सा शिविर की सराहना की।

वुमानियाज का दो दिवसीय *द बिग पोपअप* शुरू

गुवाहाटी। घरेलू कामकाजी महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के लिए तेजी से कार्य कर रही महिलाओं की अग्रणी संस्था वुमानियाज की ओर से आज से दो दिवसीय द बिग पोपअप का आयोजन किया जा रहा है। वुमानियाज की संस्थापक दिव्या सियोटिया ने बताया कि भांगागढ़ स्थित रुद्राक्ष मॉल में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को दो दिवसीय पॉप अप के उद्घाटन समारोह में अतिथि के रूप में पायल चड्ढा, रितु बंका, अलकनंदा पोम्पी दास सिद्धार्थ-नेहा गाड़ोदिया तथा संजय छाबड़ा उपस्थित थें। सभी अतिथियों ने सामूहिक रूप से भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते हुए पॉप अप में शामिल हुई सभी महिला उद्यमियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने शब्दों से प्रोत्साहित किया। संस्थापक नुपुर अगरवाला ने बताया कि इस पॉप अप में पहले दिन बड़ी संख्या में महिलाओं एवं युवतियों की उपस्थिति देखी गई। इसमें स्थानीय महिला उद्यमी अपने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिसे लोगों ने काफी सराहा। सिटी हेड स्वीटी अग्रवाल ने बताया कि दो दिवसीय इस पोपअप का समापन शनिवार को होगा। आयोजन को सफल बनाने में वुमानियाज की सभी सदस्याएं जुटी हुई है।

राजस्थान फाउंडेशन, असम चैप्टर ने फाउंडेशन के आयुक्त के साथ सामाजिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया

गुवाहाटी (विभास)। राजस्थान फाउंडेशन असम चैप्टर के सौजन्य से होटल विश्वरतन में राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधीन गठित राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा से एक विशेष सामाजिक संवाद कार्यक्रम का आयोजित किया। जिसमें प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में उद्योग, व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा व जमीन जायदाद के मामलों में फाउंडेशन के सहयोग करने की नीतियों के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। इससे पहले कार्यक्रम का संचालन करते हुए शंकर बिड़ला ने असम चैप्टर के अध्यक्ष रतन शर्मा, मुख्य अतिथि डॉक्टर मनीषा अरोड़ा, समाज सेवी विजय सिंह डागा, मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, पार्षद प्रमोद स्वामी, उद्योगपति कैलाश लोहिया, शिव भगवान पारीक और महावीर जैन को मंचासीन करवाया। सबसे पहले अहमदाबाद प्लेन क्रैश दुर्घटना में मारे गए लोगों के लिए श्रद्धांजलि स्वरुप एक मिनट का मौन रखा गया। दिनेश पारीक ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान फाउंडेशन की स्थापना 2001 में की गई थी। जिसका उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को उद्योग व्यापार संस्कृति व अन्य क्षेत्र में सहयोग देना है। इसके लिए राजस्थान सरकार के सभी जिलों में मॉडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। दिनेश पारीक ने राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त को संबोधन करते हुए कहा कि जयपुर में भी असम भवन का निर्माण होना चाहिए ताकि प्रवासी राजस्थानियों को जयपुर में सुविधा उपलब्ध हो जाए। विजय सिंह डागा ने कहा कि हम राजस्थान के थे राजस्थान के हैं, और असम हमारी कर्मभूमि है। अत: राजस्थान से हमारी आत्मा का संबंध है। पार्षद प्रमोद स्वामी ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के गठन से ही प्रवासियों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। इसके लिए समय-समय पर राजस्थान के मंत्री व प्रतिनिधि हर वर्ष यहां आकर प्रवासियों की खोज खबर लेनी चाहिए एवं उनका सहयोग करने की चेष्टा भी करनी चाहिए। राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉक्टर मनीषा अरोड़ा ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासियों से प्रगाढ़ संबंध बनाने और समन्वय के रिक्त स्थान को भरने का भरपूर प्रयास किया है। इसी कड़ी में काइट फेस्टिवल के दौरान वर्चुअल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रवासी राजस्थानियों ने न केवल पतंग उत्सव का आनंद लिया बल्कि सरकार से सीधे संवाद करने का अवसर भी उन्हें प्राप्त हुआ। राजस्थान फाउंडेशन द्वारा तीन माह में सोशल मीडिया पर चलाए गए अभियान उत्सव अपनों का के तहत दुनिया भर में बसे प्रवासियों को अपनी संस्कृति,तीज, त्योहार और परंपराओं को साझा करने का अनूठा मंच मिला है। राजस्थान फाउंडेशन की पत्रिका माटी रौ संदेश को समृद्ध बनाने के लिए प्रवासियों की कलम से अभियान चलाया गया है। जिसमें न केवल प्रवासी राजस्थानी बल्कि उनके बच्चे भी शामिल हुए और अपनी खूबसूरत पेंटिंग्स के माध्यम से राजस्थान से अपने गहरे जुड़ाव को दर्शाया। कैसा रहा आपका कुंभ जैसे सोशल मीडिया अभियानों को जरिए प्रवासियों से अपनी कुंभ यात्रा की यादें साझा की। जिससे माटी रो संदेश सही मायने में सभी राजस्थानियों की पत्रिका बन गई। इस अवसर पर शिव भगवान शर्मा ने भी अपने आशीर्वचन से संबोधन दिया। कार्यक्रम में गौड महिला समिति, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, पारीक महिला परिषद, भारतीय अटल सेना महिला मोर्चा, सम्मेलन की कामरूप शाखा, मारवाड़ी युवा मंच की सिरोज शाखा, कामाख्या शाखा, विप्र फाउंडेशन जोन 8 तथा अष्ट लक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन की तरफ से राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉक्टर मनीषा अरोड़ा को असमिया परंपरा के अनुसार फुलाम गमछा और जापी पहनाकर सम्मानित किया गया।

संपादकीय

ये तपतपाए दिन

राजधानी दिल्ली का मौसमी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान राज्यों के कई क्षेत्रों का तापमान 47-48 डिग्री को भी पीछे छोड़ चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! यदि आप अपने ही घर में वातानुकूलित कमरे से दूसरे कमरे में जाएंगे, तो आपका सामना आग के तूफान से होगा। हवा में इतनी तपन है। बीता 9 जून अभी तक 'सबसे गर्म दिन' आंका गया है, जिस दिन बिजली की मांग 'चरम' तक पहुंच गई और 241 गीगावाट की मांग दर्ज की गई। नतीजतन केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय एयरकंडीशनर के नए मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नए मानक बनकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20-28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। फिलहाल न्यूनतम तापमान 16 है। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है। लू जानलेवा स्थिति है, लिहाजा इसे 'चिकित्सीय आपातकाल' माना गया है। 'लू लगने' के सामान्य लक्षण ये हैं कि मानवीय शरीर का तापमान 104 डिग्री फॉरेनहाइट (40 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ जाता है। वह तेज बुखार की स्थिति है। बीते साल 18 जून तक लू (हीट स्ट्रोक) के 40,000 से अधिक मामले सामने आए थे। लू और तपतपाई गर्मी के कारण 110 लोगों की मौतें भी दर्ज की गई थीं। 2022 में तो 730 मौतें दर्ज की गईं। शायद यही बुनियादी कारण है कि मौसम विभाग लगातार रेड, येलो, ऑरेंज अलर्ट जारी कर रहा है। इस धधकते, तपते मौसम में सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले कामगारों के लिए है। भारत में 65-70 फीसदी कामगार इस भीषण गर्मी में भी काम करने को विवश हैं, क्योंकि उनका घर-परिवार दिहाड़ी पर ही चलता है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामसुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे। एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके। बहरहाल बीते कई वर्षों से हमारे संवेदनशील प्रशासन ने मौसम की चरम स्थितियों में नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन-ऐसे तपतपाए दिनों में दोपहर 12.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक खुले में काम कराने पर रोक लगाई गई है। कामगारों के लिए छायादार जगह और ठंडा पेयजल भी होना अनिवार्य है। महानगरों और बड़े शहरों में बिजली की आपूर्ति पहले की अपेक्षा सुधरी है, लिहाजा काम करने की जगह भी पंखे की मौजूदगी होने लगी है, लेकिन गांव-कस्बों में अब भी घंटों बिजली के कट लगाए जा रहे हैं, वहां आम आदमी और कामगार दोनों ही परेशान हैं। बहरहाल हमारी व्यवस्था में अब भी बहुत कुछ बदला और सुधारा जाना है। ये तपतपाए दिन जलवायु-परिवर्तन की भी देन हैं। मौसम का चक्र बदलता जा रहा है। कुछ दिन पहले तक खूब बारिश हो रही थी, लेकिन बीते सात दिनों में ही तापमान में 8-13 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जो पाकिस्तान के रेगिस्तानी इलाकों से आ रही हैं। खाड़ी देशों, खासकर इराक, सऊदी अरब के अधिकांश इलाकों में तापमान बीते एक सप्ताह से 46 डिग्री के आसपास है। पाकिस्तान के इलाकों में भी करीब 47 डिग्री सेल्सियस का तापमान है। बहरहाल राहत तब ही संभव है, जब मॉनसून फिर सक्रिय होकर बरसेगा।

पंजाब, हरियाणा, राजस्थान राज्यों के कई क्षेत्रों का तापमान 47-48 डिग्री को भी पीछे छोड़ चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! यदि आप अपने ही घर में वातानुकूलित कमरे से दूसरे कमरे में जाएंगे, तो आपका सामना आग के तूफान से होगा। हवा में इतनी तपन है। बीता 9 जून अभी तक 'सबसे गर्म दिन' आंका गया है, जिस दिन बिजली की मांग 'चरम' तक पहुंच गई और 241 गीगावाट की मांग दर्ज की गई। नतीजतन केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय एयरकंडीशनर के नए मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नए मानक बनकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20-28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। फिलहाल न्यूनतम तापमान 16 है। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है।

भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

ललित गर्ग

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है और दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है। आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

देश | दुनीया से

लोकतंत्र को रौंद रहा है ट्रंप प्रशासन

लॉस एंजेलिस में इमिग्रेशन छापों को लेकर हिंसक विरोध हुआ है। लोगों को काबू करने के वास्ते 2,100 नेशनल गार्ड को लॉस एंजेलिस में तैनात किया गया है। इसके अलावा 700 मरीन भेजे गए हैं। अब यहां नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। न्यूसम पहले ही कह चुके हैं कि ट्रंप इस आग को और भड़का रहे हैं, और वह यही चाहते थे। साफ लगता है, आर्थिक मोर्चे पर फेल ट्रम्प देश का ध्यान आव्रजन नीतियों में उलझाए रखना चाहते हैं। लॉस एंजेलिस में हालात बेकाबू हैं। ट्रम्प के बारे में यही कहा जा रहा है, कि उनका व्यवहार तानाशाहों वाला हो चुका है। ट्रम्प के जीवनी लेखक टिम ओ ब्रायन ने कहा, 'बदला वह ऑक्सीजन है, जो उन्हें बचाए रखती है।' और उन्होंने अपने इर्द-गिर्द ऐसे छोटे-मोटे लोगों को रखा है जो उनकी खूब चापलूसी करते हैं। मसखरे जैसे दिखने वाले लोग कैबिनेट बैठकों में उनका शौर्य बखान करते हैं। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन के चेयरमैन ब्रेंडन कैर ने तो अपने कॉलर पर सुनहरे रंग का ट्रंप का सिर भी लटका रखा है। ठीक वैसे ही जैसे माओवादी करते थे। अराजकता के सम्राट ट्रंप का जब टैरिफ युद्ध से ध्यान हटता है, वो आप्रवासियों को भगाने की मुहिम में लग जाते हैं। अमेरिका को ग़ौर से देखें तो यह देश आबाद ही हुआ बाहर से आये लोगों से। राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी द्वारा लिखी गई एक पुस्तक का शीर्षक ही है, 'ए नेशन ऑफ़ इमिग्रेंट्स'। जब उन्होंने यह किताब लिखी, तब वो सीनेटर थे। इस पुस्तक में औपनिवेशिक अमेरिका से

लेकर अब तक के आप्रवासन का इतिहास, और अमेरिका में आप्रवासन कानून को उदार बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं। 1965 से पहले, अमेरिकी आव्रजन कानून उत्तरी और पश्चिमी यूरोप के आप्रवासियों के हित में था, इनकी कोशिश थी, कि एशिया से आप्रवास को प्रतिबंधित किये रखें। 1965 के आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम ने एशिया और लैटिन अमेरिका से आप्रवास के दरवाज़े खोल दिए। वर्ष 1990 के आव्रजन अधिनियम ने कानूनी आव्रजन को और भी शिथिल किया, जिससे बाक़ी देशों के अनिवासियों को कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति मिल गई। 34.7 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में विदेश से आये लोगों की संख्या, 2023 में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, चार करोड़ 78 लाख तक पहुंच गई, जो 2022 के मुक़ाबले, 16 लाख अधिक है। यह 2000 के बाद से 20 से अधिक वर्षों में सबसे बड़ी जनसंख्या वृद्धि है। वर्ष 1970 में, अमेरिका में रहने वाले आप्रवासियों की संख्या आज की तुलना में लगभग पांचवां हिस्सा थी। 1965 में कांग्रेस द्वारा अमेरिकी आव्रजन कानूनों में बदलाव किए जाने के बाद इस जनसंख्या की वृद्धि में तेज़ी आई। ठीक से देखा जाये, तो ओरिजिनल अमेरिकी केवल दस फीसद हैं। आज अमेरिका में अनिवासी 1910 के बाद से सबसे ज़्यादा हैं, लेकिन 1890 के 14.8 फीसद रिकॉर्ड से कम मानकर चलिए। पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े बताते हैं, 'अमेरिका में मेक्सिको से आये आप्रवासी सबसे अधिक हैं। 2022 में यू.एस. में रहने वाले लगभग एक करोड़ छह लाख आप्रवासी वहीं पैदा हुए थे, जो टोटल यू.एस. आप्रवासियों का 23 प्रतिशत है। तीन साल पहले, अमेरिका में अनिवासियों का सबसे बड़ा समूह इंडो-अमेरिकन्स (6 प्रतिशत), चीनी (5 प्रतिशत), फिलीपीनी (4 प्रतिशत) और अल साल्वाडोर से आने वाले क्रमशः 3 फीसद बताये गए थे। लैटिन अमेरिका (27 प्रतिशत), जिसमें मेक्सिको शामिल नहीं है, लेकिन कैरिबियन (10 प्रतिशत), मध्य अमेरिका (9 प्रतिशत) और दक्षिण अमेरिका (9 प्रतिशत) शामिल हैं। यूरोप, कनाडा और अन्य उत्तरी अमेरिका 12 प्रतिशत, सब सहारा अफ्रीका के (5 प्रतिशत) और मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (4 प्रतिशत) अनिवासी अमेरिका में बसते हैं।' ट्रंप प्रशासन, जिसने जनवरी 2025 में अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने के नाम पर वोट बटोरे, उसने बार -बार कसम खाई है, कि अमेरिका को 'अवैध प्रवासियों से मुक्त' कर दिया जाएगा। ट्रम्प की प्रवासन विरोधी नीतियों का दुष्प्रभाव यूरोप में पड़ने लगा है। फिलहाल लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। वैसे, यह पहला मौका है जब नेशनल गार्ड को गवर्नर की सहमति के बिना किसी राज्य में भेजा गया है।

कुछ | अलग

मन बावरा माने ना

मनोविज्ञान कहता है कि हमारा मन ऐसा बांवरा है कि वह हमारे खुद के साथ ही खेल खेल जाता है और हमें पता भी नहीं चलता। हमारे सामने कोई ऐसा काम हो जो बहुत कठिन हो, या हमें नापसंद हो, तो हमारा मन दस हजार तरह के बहाने बनाकर हमें भटका देता है। कठिन काम, या नापसंद काम हमारे सामने हो, करना जरूरी हो, उसे न करने पर नुकसान हो सकता हो, तो भी जब हम काम शुरू करने लगें तो मन में विचार आएगा कि हमारी दराज में बड़ा कूड़ा इक_ा हो गया है, कुछ ढूंढना हो तो ढूंढने में बहुत समय खराब हो जाता है, दस-पंद्रह मिनट लगेंगे, दराज साफ कर लें, फिर यह काम कर लेंगे, इस तरह एक पंथ दो काज हो जाएंगे, और हमने काम छोड़ कर दराज साफ करना शुरू कर दिया। दराज में सचमुच बहुत सी बेकार की चीजें जमा हो गई थीं, सफाई करने लगे तो खुद हैरान हो गए कि इतना कूड़ा इक_ा कर रखा है। सफाई पूरी करके बहुत खुश हुए कि 'एक अच्छा काम निपटा लिया', लेकिन उस सफाई में सारा दिन गुजार दिया। पता ही नहीं चला कि पूरा दिन कैसे बीत गया। 'अच्छा काम' तो किया, पर 'जरूरी काम' को छोड़ कर। ये है हमारे मन का खेल। मन को यूं ही बावरा नहीं कहते। अगर हम समझदारी से काम न लें तो ये बावरा मन मानता ही नहीं। मन के ये खेल हमारे जीवन के सभी हिस्सों में चलते रहते हैं और कई बार तो रिश्तों के भी आड़े आ जाते हैं। ऐसे ही एक मामले का जिक्र मेरी बात का बेहतर खुलासा करेगा। पति-पत्नी, निशा और राजेश, दोनों सरकारी नौकरी में उच्च पदों पर विराजमान हैं, अपने-अपने कार्यालय के मुखिया। दोनों बहुत पढ़े-लिखे, बहुत मिलनसार, बहुत सभ्य। पैसे की कमी नहीं, हर तरह की सुख-सुविधा से संपन्न घर। परिवार में पति-पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बिटिया। भरा-पूरा परिवार, परमात्मा का दिया सब कुछ। जो देखे, वैसा ही परिवार चाहे। पर पति-पत्नी के रिश्ते में कशिश बिल्कुल नहीं। सब कुछ औपचारिक-सा। दोनों को लगता था मानो किसी जानकार से, या किसी पड़ोसी से बात कर रहे हैं, पति-पत्नी वाला खिंचाव, लगाव या आकर्षण नदारद। यहां तक कि वैवाहिक जीवन के सर्वाधिक आवश्यक काम के समय भी सब कुछ इतना औपचारिक कि मिलन के बाद भी मन में संतुष्टि नहीं, आनंद नहीं। अच्छी बात सिर्फ यह रही कि पति-पत्नी में से किसी का कोई अफेयर नहीं। आखिर दोनों ने एक मैरिज काउंसलर के पास जाने का फैसला किया। संयोग ये रहा कि मैरिज काउंसलर मेरे मित्र हैं, मेरे काम के बारे में जानते हैं, सो उन्होंने ही निशा और राजेश को मेरे पास भेजा। दोनों से दो-दो बार अलग-अलग और एक साथ की मीटिंग के बाद मैंने हीलिंग शुरू की।

आप का | नजरीया

देश को पर्यटन का सैल्यूट

हिमाचल की सैन्य पृष्ठभूमि से निकला रास्ता ठीक चीन के सामने खड़ा है और जहां राष्ट्रीय गर्व की ताल ठोंकता पर्यटन सैल्यूट करता है। देश का जज्बा लिए पर्यटक वाघा-अटारी तक जिस जोश से पहुंचते रहे हैं, उसी संवेग से हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रयास बार्डर टूरिज्म को शिपकी-ला तक ले आए हैं। यहीं इंदिरा प्वाइंट का स्तंभ याद दिलाता है कि देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिर गांधी ने देश की एकता और अखंडता का तिलक, किन्नौर की इस पावन मिट्टी से लगाया था। वाईएस परमार के बाद सुक्खू दूसरे ऐसे व्यक्ति हैं जो मुख्यमंत्री के पद से इस सरहदी इलाके में भारत के गौरव को जन गण मन से जोड़ रहे हैं। केंद्र सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को लगातार मजबूत कर रही है और अगर अंतरराष्ट्रीय समझौते की कसौटी पर कैलाश मानसरोवर यात्रा का पड़ाव किन्नौर को अहमियत देता है, तो सबसे सरल, नजदीक और रोमांच भरी यात्रा इसी शिपकी-ला की निगरानी में होगी। किन्नौर से राष्ट्र भावना के स्रोत अब पर्यटन की धमनियों में जोश भरेंगे। मुख्यमंत्री ने सीमा पर्यटन की 'विजिटर बुक' में अपनी योजनाओं की शपथ लिखते हुए हवाई पट्टी के अलावा हेलिपोर्ट की शृंखला में किन्नौर की सांस्कृतिक उर्वरता को एक नया पैगाम दिया है। जाहिर है हिमाचल की कुर्बानियों का इतिहास और देश की एकता के प्रतीक सीमा पर्यटन को राष्ट्रभक्ति की सेरेमनी में खड़ा कर सकते हैं। इस एहसास को शिपकी-ला में जीने के लिए अब एक स्थायी समारोह की दरकार है ताकि जब सैलानी आएं तो राष्ट्रीय भावना के उद्घोष परवान चढ़ें और यहां की स्वरलहरियां चीन के बंद कानों के पर्दे खोल दें। हिमाचल की सैन्य पृष्ठभूमि से जुड़ा आकर्षण कई युद्धों के इतिहास को प्रदेश से जोड़ देता है। सैन्य भर्ती में जब तक कोटा नहीं था, राष्ट्रीय फलक की सारी भर्ती हिमाचली युवाओं के कंधों पर होती रही है। इतना ही नहीं, आज भी शहादत की पुकार जब देश की सरहद करती है, तो सारे देश की तीस प्रतिशत कुर्बानियों में प्रदेश के युवा तिरंगे में लिपट कर लौटते हैं। देश के 21 परमवीर चक्रों में से चार हिमाचल की छाती पर सजे हैं, तो इस सम्मान की पहली नजर आज भी मेजर सोमनाथ शर्मा से जुड़ी राष्ट्रीय गौरव की कहानी, प्रदेश के जर्रे-जर्रे में परवान हो जाती है। कारगिल युद्ध का शौर्य हिमाचल के इन्हीं जज्बात को प्रमाणित करता है, जब देश की 527 कुर्बानियों में 52 हिमाचल के कंधे पर सवार होकर आज भी 'गर्व से कहती हैं हम हिंदोस्तानी औलाद हैं, देश की शान हैं।' कैप्टन विक्रम बतरा (मरणोपरांत) और राइफल मैन संजय कुमार को सर्वोच्च बहादुरी पुरस्कार मिलता है, तो देश प्रेम की हमारी गाथा श्रेष्ठ हो जाती है। इन्हीं जज्बात को मूर्त करता धर्मशाला का राज्यस्तरीय शहीद स्मारक व युद्ध संग्रहालय हर दिन पर्यटकों की भावना में राष्ट्र प्रेम का मानचित्र उकेरता है। आश्चर्य है कि इस स्मारक के विस्तार के बजाय इसकी अमानत से चार्जिंग स्टेशन के लिए जगह छीनी जा रही है। कहां तो शहीद स्मारक समिति इस स्थान की गरिमा को राष्ट्रीय पैमाने तक पहुंचाती हुई इसके विस्तार की एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रही है और कहां विकास के प्रशासनिक घोड़े इसकी रगों से पवित्र जमीन छीनकर चार्जिंग स्टेशन के लिए सारे मंसूबे रौंदना चाहते हैं। यह गलत व अन्यायपूर्ण ही नहीं, बल्कि प्रदेश के सभी शहीदों के प्रति अपमान है।

दृष्टि | कोण

युवाओं को नशे का गुलाम बनाने की साजिश

नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट की एक रिपोर्ट देखें तो देश की कुल जनसंख्या के 10 से 75 साल तक की आयुवर्ग के लगभग 20 प्रतिशत लोग किसी न किसी प्रकार के नशे के अभ्यस्त हैं। महिलाएं भी इसमें अपवाद नहीं। आजकल कम उम्र के बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। अनिद्रा, अवसाद, तनाव आदि रोगों के उपचार में प्रयुक्त होने वाली अनेक दवाओं का प्रयोग नशे के रूप में होना गहन चिंता का विषय बन चुका है। 'ड्रग वॉर डिस्टॉर्शन और वर्डोमीटर' की एक रिपोर्ट के मुताबिक़, देश में अवैध दवाओं का धंधा बढ़कर लगभग 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि नियमानुसार, भारत में ऐसी दवाओं का सेवन अथवा इन्हें चिकित्सक की पर्ची के बग़ैर बेचना दोनों ही कानूनन निषेध हैं। दरअसल, इस मुद्दे ने भारत में 'नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस' अधिनियम 1985 (एनडीपीएस), के बाद प्रमुखता हासिल की। कई भारतीय राज्य उपचारात्मक तथा निवारक उपायों के साथ-साथ नशीली दवाओं के उपयोग एवं दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के ख़िलाफ़ जागरूकता फैलाकर इस समस्या का निराकरण करने की कोशिश में लगे हैं। हालांकि, सतही तौर पर देश में इस ख़तरे से निपटने के लिए शायद ही कोई कारग़र नीति संज्ञान में हो! कटु, लेकिन सत्य यही है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने हेतु राज्य प्राधिकारियों तथा स्थानीय सरकारों की सीमित भूमिका से भारत में मादक पदार्थों के उपयोग में कमी नहीं आ पाई। नशों के प्रति बढ़ते रुझान में विविध कारक ज़िम्मेदार रहते हैं, जैसे- तनाव, अकेलापन, असफलता आदि। रिश्तों से जुड़ी समस्यायों, निर्धनता, बेरोज़ग़ारी, शैक्षिक

तथा मनोरंजक संसाधनों तक सीमित पहुंच के चलते भी मादक द्रव्यों के सेवन की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि कुछ लोग इनसे बचने अथवा निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेने लगते हैं। नशे में संलिप्त किसी पारिवारिक सदस्य की देखा-देखी, सोशल मीडिया, फ़िल्मों अथवा कुसंगति के प्रभाव में भी नशीली दवाओं का सेवन आम देखा गया। युवाओं में साइकोट्रॉपिक ड्रग्स का चलन बढ़ने में प्रमुख कारण है, मूल्य में कम होने के साथ इनका सहज ही उपलब्ध हो जाना। हालांकि ये दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के बेचने-ख़रीदने की सख़्त मनाही है, बावजूद इसके अवैध ढंग से बिकने वाली इन दवाओं का नशे के तौर पर इस्तेमाल आजकल व्यापक स्तर पर होने लगा है। मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार, इन नशे की दवाओं का अनुचित उपयोग करने से मानसिक अवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। हेरोइन व अन्य किस्म के नशों का सेवन करने वाले व्यक्ति अक्सर इन ड्रग्स के आदी पाए जाते हैं। दवा का इस्तेमाल बेशक दर्दनाक भावनाओं जैसे- चिंता, अवसाद, एकाकीपन आदि से निपटने के नाम पर किया जाता है लेकिन नशे के रूप में बेलगाम आदत, वास्तव में समस्यायों को बद से बदतर बना छोड़ती है। नशीली दवाएं ग्रहण करने की लत न केवल व्यसनी का शारीरिक-मानसिक-बौद्धिक स्वास्थ्य बिगाड़ती हैं अपितु पारिवारिक सदस्यों की सामाजिक व आर्थिक क्षमताओं के दृष्टिगत भी प्रतिकूलताएं ही लेकर आती हैं। समूचे समाज तथा सरकार पर अवांछित वित्तीय बोझ बढ़ने लगता है, जिससे शासन-कानून-व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सभी प्रभावित होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 47 में सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और हानिकारक पदार्थों के निषेध का आह्वान किया गया है। हानिकारक दवाओं का ख़तरा सामाजिक-सांस्कृतिक तथा राजनीतिक-आर्थिक व्यवस्था में गहरी जड़ें जमाए बैठी विकृतियों की अभिव्यक्ति है, अतः इसका समाधान प्रणालीगत, बहुआयामी होना चाहिए। समस्या का निपटान प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए भारत को मज़बूत विनियमन, उन्नत कानून तथा राज्यों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है।

नकली खाद बीज मामले में राज्य कृषि सेवा के 11 अधिकारी निलंबित

जयपुर (हिंस)। कृषि विभाग ने गंभीर लापरवाही और खाद व बीज कंपनियों से मिलीभगत के आरोप में 11 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कृषि आयुक्तालय से जारी आदेशों के मुताबिक निलंबित किए गए अफसरों की कंपनियों के साथ मिलीभगत थी। इसके साथ ड्यूटी में गंभीर लापरवाही बरती, अब इनके खिलाफ सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। कृषि विभाग पिछले कुछ समय से नकली खाद बीज कंपनियों के खिलाफ लगातार छापेमारी कर रहा है, जिसके चलते शुक्रवार को कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गई है। कृषि विभाग ने गंभीर लापरवाही और खाद व बीज कंपनियों से मिलीभगत के आरोप में दो अलग-अलग आदेश जारी कर 11 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. जिसके बाद से विभाग में हड़कंप मच गया है। इनमें से 8 अधिकारियों पर फैक्ट्री मालिक से मिलीभगत करके घटिया खाद बनाने का आरोप था, जिसके बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। इसके अलावा अवैध भंडारण का निरीक्षण करने समय पर न पहुंचने वाले अधिकारियों को भी तत्काल प्रभाव

से सस्पेंड कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि गत 29-30 मई को किशनगढ़ अजमेर में नकली खाद बनाने वाली कंपनियों पर कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना की छापेमारी के बाद पूर्व में दिसंबर 2024 में कृषि विभाग के अधिकारियों की इन कंपनियों के साथ गहरी सांठगांठ सामने आई ,जिससे नकली खाद की ये कंपनियां वर्षों से बिना किसी रोक-टोक व डर के धडल्लों से संचालित की जारी रही थी। इन कंपनियों में बनी नकली डीएपी, एनपीके, एसएसपी, एमओपी व फ्रॉम आदि की न केवल राज्य में सप्लाई की जारी थी बल्कि देश के लगभग 15-16 अन्य राज्यों में भी सप्लाई की जा रही थी। साथ ही तीन से चार कंपनियों में इफको के सागरिका जैसे उत्पाद भी बनाए जा रहे थे। किशनगढ़ की फैक्ट्रियों का अधिकारियों द्वारा 30 दिसंबर 2024 को निरीक्षण किया गया था, लेकिन इस निरीक्षण में किसी भी अधिकारी ने इन कंपनियों के गोरख धंधे का भांडाफोड़ नहीं किया, बल्कि निरीक्षण रिपोर्ट को ही दबा कर लिया गया। कंपनी संचालकों व गोपनीय सूत्रों द्वारा भी यह बात कृषि मंत्री तक पहुंचने पर मंत्री ने तत्काल इस पत्रावली को बाहर निकलवाकर जांच करने पर खबर सही पाई। इस प्रकार इन अधिकारियों द्वारा घोर लापरवाही बरतने व उर्वरक विर्निमाण इकाई मालिकों के साथ गहरी सांठ-गाठ कर नकली उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराने में प्रथम दृष्ट्या पूर्ण संलिप्तता पाए जाने पर बंशीधर जाट, तत्कालीन उप निदेशक कृषि, ज्वाला प्रताप सिंह, सहायक निदेशक कृषि, गोविन्द सिंह नरूका, सहायक निदेशक कृषि, मुकेश कुमार चौधरी, सहायक निदेशक कृषि, राजवीर ओला, कृषि अधिकारी (योजना), सौरभ गर्ग, तत्कालीन कृषि अधिकारी, अजमेर, मुकेश कुमार माली, तत्कालीन कृषि अधिकारी, अजमेर एवं हाल संयुक्त निदेशक कृषि ब्यावर, कैलाश चन्द्र शर्मा, तत्कालीन कृषि अधिकारी हाल उप परियोजना निदेशक (आत्मा), अजमेर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है व इनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही करते हुए अधिकारियों को राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 13 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निलंबित किया गया है। इसी तरह कार्यालय संयुक्त निदेशक कृषि जिला परिषद जयपुर के द्वारा उर्वरकों से अवैध भण्डारण की शिकायत मिलने पर जब्ती की कार्यवाही करने के लिए शिकायती स्थल पर नहीं पहुंचने की गंभीर लापरवाही एवं उच्च अधिकारियों के आदेश की अवहेलना किये जाने पर लोकेन्द्र सिंह, सहायक निदेशक कृषि (मुख्यालय), सुनील कुमार बरड़िया, कृषि अधिकारी (सामान्य) एवं प्रेम सिंह कृषि अधिकारी (मिशन), कार्यालय संयुक्त निदेशक कृषि (वि.) जिला परिषद जयपुर के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करते हुए निलंबित किया गया है। इन उक्त सभी अधिकारियों का निलंबनकाल में मुख्यालय कृषि आयुक्तालय, जयपुर रहेगा।

दिसंबर तक पूरी करें सीएम की बजट घोषणाएं एपीएस ने की बैठक

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की वित्त मंत्री के रूप में बजट की गई घोषणाओं को लागू करवाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर काम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि दिसंबर 2025 से पूर्व सभी घोषणाओं की ठोस प्रगति नजर आनी चाहिए। डॉ. साकेत कुमार शुक्रवार को हरियाणा निवास में बिजली, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, शहरी स्थानीय निकाय, माध्यमिक, उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा, पर्यटन एवं विरासत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, नगर एवं ग्राम आयोजना, अभिलेखागार तथा आवास विभाग से संबंधित 79 घोषणाओं की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग को अपनी घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए ताकि कार्यप्रणाली में स्पष्टता और उत्तरदायित्व बना रहे। डॉ. कुमार ने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट में शिक्षा से जुड़ी सर्वाधिक 28 घोषणाएं की गई हैं।

तनाव रहित जीवन जीने के लिए योग उपयोगी : डॉ. ठक्कर

जोधपुर (हिंस)। डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में कंटीन्यूअस कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आइटीआरए) जामनगर गुजरात के पूर्व कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अनुप कुमार ठक्कर ने स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान में डॉ. अनुप कुमार ठाकर ने बताया कि वर्तमान समय में तनाव (स्ट्रेस) एक वैश्विक समस्या बन चुकी है। मानसिक तनाव के कारण अनेक प्रकार के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक विकार उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने पंचकर्म एवं आयुर्वेदिक जीवनशैली के माध्यम से तनाव प्रबंधन के सरल और प्रभावी उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. ठक्कर ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तनाव रहित जीवन जीने के लिए नियमित योग, प्राणायाम, ध्यान, आहार संतुलन तथा सकारात्मक सोच को अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की। उन्होंने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में तनाव प्रबंधन का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। इस प्रकार के व्याख्यानों से हमारे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को न केवल ज्ञान मिलता है, बल्कि वे अपने व्यक्तिगत जीवन में भी इसका लाभ उठा सकते हैं। कार्यक्रम में आयुर्वेद अधिष्ठाता प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा, शल्य तंत्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश गुप्ता, मीडिया प्रभारी एवं क्रिया शरीर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा, बालरोग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हरीश सिंघल, अगदतंत्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रितु कपूर, बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार राय सहित विश्वविद्यालय के आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं योग -नेचुरोपैथिक संकाय सदस्य एवं स्नातकोत्तर छात्र उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. हेमंत राजपुरोहित द्वारा किया गया।

भरतपुर : युवक की हत्या के आठ साल पुराने मामले में 12 दोषियों को उम्रकैद

भरतपुर (हिंस)। भरतपुर जिले के उद्योगनगर थाना क्षेत्र के महंगाया गांव में आठ वर्ष पूर्व युवक की लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हत्या के मामले में शुक्रवार को अदालत ने फैसला सुनाया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या-3 की अदालत ने 13 में से 12 आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। ट्रायल के दौरान एक आरोपी की मौत हो चुकी थी। फैसले के दौरान दो दोषी अदालत में बेहोश हो गए। सरकारी पक्ष की ओर से अभियोजन अधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि यह मामला महंगाया गांव निवासी विक्रम सिंह की हत्या से जुड़ा है। 6 मार्च 2017 की सुबह विक्रम सिंह नहाने के लिए गांव की बगीची जा रहा था। रास्ते में उसकी मुलाकात हरि प्रसाद से हुई, जिसके साथ कहासुनी हो गई। इसी दौरान हरि प्रसाद ने अपने हाथ में मौजूद दरांती से विक्रम के पेट पर हमला कर दिया। घटना के तुरंत बाद हरि प्रसाद के बेटे शिब्बा, कपिल, जितेंद्र और दिनेश मौके पर पहुंचे और अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर विक्रम की बेरहमी से पिटाई की। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे विक्रम के पिता करण सिंह और अन्य परिजनों ने घायल विक्रम को आरबीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा की गई जांच, साक्ष्य और गवाहों के आधार पर अदालत ने 12 आरोपियों- शिब्बा, कपिल, जितेंद्र, दिनेश, प्रेमचंद, हर गोविन्द, महेश, रामचरण, रामवीर, भगवान सिंह, पिंटू और मुरारी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। गौरतलब है कि ट्रायल के दौरान मुख्य आरोपी हरि प्रसाद की मौत हो चुकी थी। सजा पाए आरोपियों में चार सगे भाई शिब्बा, कपिल, जितेंद्र और दिनेश शामिल हैं। इसी तरह प्रेमचंद और हर गोविंद आपस में भाई हैं, जबकि महेश और भगवान सिंह भी सगे भाई हैं।

इंफ्लूएंसर कमल कौर भाभी की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी की हत्या के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मोगा के जसप्रीत सिंह मेहरू और तरनतारन के निमनरजीत सिंह के रूप में हुई है। हत्या का मास्टरमाइंड अमृतपाल सिंह मेहरू अभी फरार है। बठिंडा की एसएसपी अमनीत कौंडल ने शुक्रवार को बताया कि अमृतपाल और उसके साथियों ने कमल कौर के वीडियो को लेकर उसकी हत्या की है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह यूथ को गलत रास्ते पर लेकर जा रही थी। इसे लेकर कमल कौर को समझाया भी था, लेकिन वह नहीं मानी। आरोपितों ने कमल कौर को 9 जून को शोरूम प्रमोशन का बहाना बनाकर उसे बठिंडा बुलाया। कार खराब होने का बहाना बनाकर वे उसे गैराज में ले गए। यहां उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। उसी की कार में शव डालकर पार्किंग में खड़ी कर आए। एसएसपी कौंडल ने बताया कि 11 जून की शाम कॉल आई थी कि कैंट एरिया के इलाके में एक गाड़ी में महिला की लाश पड़ी है। महिला की पहचान लुधियाना की कंचन कुमारी के रूप में हुई। कंचन की मां गिरजा ने बताया कि घटना से 7-8 जून को अमृतपाल नाम का व्यक्ति आया था। उसने कंचन से बठिंडा में किसी शोरूम की प्रमोशन करने को कहा। इस पर कंचन राजी हो गई। अमृतपाल ने 9 जून को फोन करके उसे बठिंडा बुलाया। कंचन ने कहा था कि वह काम खत्म करके वापस घर आ जाएगी। 9 जून की रात कंचन का फोन बंद हो गया। एसएसपी ने बताया कि अमृतपाल के कहने पर जसप्रीत और निमरनजीत ने कंचन कौर को बठिंडा ले आए। वह दोनों स्कॉर्पियो कार में थे। वह अपनी कार ठीक करवाने के बहाने उसे भुच्चो मंडी के एक गैराज में ले गए। वहां गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। एसएसपी ने बताया कि अमृतपाल की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगी हुई हैं। कमल कौर भाभी की हत्या के बाद अमृतपाल सिंह मेहरू ने एक पोस्ट वायरल की थी। जिसमें उसने लिखा था कि इसने सिख महिलाओं का कौर नाम इस्तेमाल करके हमारे सिख इतिहास और सभ्याचार को खराब किया। इस कारण इसका काम तमाम करने में कोई हर्ज नही था।

पंजाब पुलिस ने दो तस्कर पकड़े, 4.5 किलोग्राम हेरोइन और 11 लाख ड्रग मनी बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) बार्डर रेंज ने दो तस्करों को गिरफ्तार करके सरहद पार से नारकोटिक्स तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इनके कब्जे से 4.5 किलो हेरोइन और 11 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान गांव धनोए खुर्द निवासी गुरभेज सिंह उर्फ भेजा और गांव माहल निवासी अभिजीत सिंह उर्फ हैपी के तौर पर हुई है। प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गुरभेज पाकिस्तानी तस्कर राणा के संपर्क में था और खेप की डिलीवरी के लिए तालमेल कर रहा था। उन्होंने कहा कि अपनी गिरफ्तार से कुछ दिन पहले उसने इस हेरोइन की खेप को ड्रोन के जरिए पहुंचाने का प्रबंध किया था। गुरभेज ने इसमें अपने अन्य साथियों समेत अभिजीत सिंह को भी शामिल किया था। डीजीपी ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर एएनटीएफ बार्डर रेंज अमृतसर की टीमों ने दोनों मुलजिमों को उस समय गिरफ्तार किया, जब वह हेरोइन को आगे बेचने की कोशिश कर रहे थे। उनके कब्जे से हेरोइन और ड्रग मनी बरामद करने के इलावा पुलिस टीमों ने उनका स्कूटर भी जब्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि पूरी स्पलाई चेन को खत्म करने के लिए आगे जांच जारी है और आगामी दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगियां होने की संभावना है।

भारतीय सेना भर्ती : ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा 30 जून से 10 जुलाई तक

जयपुर (हिंस)। भारतीय सेना में वर्ष 2025-26 के लिए भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा 30 जून से 10 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा राजस्थान के नौ शहरों- अजमेर, अलवर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जयपुर, जोधपुर, कोटा, सीकर और उदयपुर में कुल 30 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होगी। परीक्षा अग्निवीर (सामान्य ड्यूटी), अग्निवीर (तकनीकी), अग्निवीर (कार्यालय सहायक/स्टोर कीपर तकनीकी), अग्निवीर ट्रेडसमैन (8वीं व 10वीं पास), अग्निवीर (महिला सैन्य पुलिस), सैनिक तकनीकी (एनए), सिपाही फार्मा, हवलदार शिक्षा (सूचना एवं तकनीक/साइबर, भाषाविद), जूनियर कमीशन अधिकारी (कैटरिंग) और जूनियर कमीशन अधिकारी (धार्मिक शिक्षक) सहित विभिन्न पदों के लिए आयोजित की जाएगी।

पढ़े-लिखे योग्य युवाओं के दरवाजे खुद पहुंच रही योगी सरकार

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार की सीएम युवा योजना अब सिर्फ योजना नहीं, बल्कि स्वरोजगार की नई क्रांति बनकर उभर रही है। इस योजना के अंतर्गत अब सरकार स्वयं योग्य और शिक्षित युवाओं को खोजकर उन्हें पांच लाख रुपए तक का ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाने जा रही है। इस योजना के तहत विशेष अभियान चलाकर प्रत्येक जनपद में अधिकारियों की टीम विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में जाकर ऐसे युवाओं को चिन्हित करेगी जो या तो ग्रेजुएशन के अंतिम वर्ष में हैं या पढ़ाई पूरी करने के बाद भी बेरोजगार हैं। उन्हें चिह्नित कर योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का लोन बिना ब्याज और बिना गारंटी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वो स्वरोजगार से जुड़कर दूसरों के लिए भी रोजगार का प्रबंध कर सकें। सीएम युवा योजना के नोडल अधिकारी ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला के अनुसार योगी सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि इस योजना से सभी योग्य, शिक्षित और प्रगतिशील सोच वाले युवाओं को जोड़ा जाए ताकि वे खुद का व्यवसाय स्थापित कर न केवल खुद को बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकें। सरकार चाहती है कि युवाओं को *बेरोजगार* की जगह *स्वरोजगार* के रास्ते पर लाया जाए। योजनाओं के तहत संबंधित ट्रेड में उन्हें पांच लाख रुपए तक का लोन और तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाएगा, जिससे उनका स्टार्टअप या व्यवसाय सफल हो सके। इसके लिए इसी माह से टीमें गठित कर सभी 75 जनपदों में अभियान चलाया जाएगा। यूनिवर्सिटीज, डिग्री कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज समेत उच्च शिक्षण संस्थाओं में ऐसे युवाओं की तलाश होगी जो अपने प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए आर्थिक मदद की तलाश में हों। ऐसे युवाओं

को प्रोत्साहित कर उन्हें बिना ब्याज और बिना गारंटी के पांच लाख तक का लोन उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम योगी के विजन के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस योजना को और गति देने के लिए अधिकारियों को भी विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके तहत, निर्यात भवन लखनऊ में दो दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया है, जिसमें कैपेसिटी बिल्डिंग पर जोर दिया जा रहा है। इस कार्यशाला में अधिकारियों को सीएम युवा पोर्टल को और अधिक यूजर फ्रेंडली और उपयोगी बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम युवा योजना अब नौकरी ढूंढने के दौर को बदलते हुए नौकरी देने वाले युवाओं को तैयार कर रही है। इसके तहत अब तक 53 हजार से अधिक युवाओं के ऋण आवेदनों को स्वीकृत करते हुए 40 हजार को लोन वितरित भी किया जा चुका है। योजना के माध्यम से लोन के लिए अब तक 2.5 लाख युवाओं ने आवेदन किया है, जिनमें से 1.10 लाख से अधिक आवेदनों को बैंकों को फॉरवर्ड किया गया है। इस योजना में बड़ी संख्या में महिलाएं, ओबीसी, एससी और अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं ने भी अपनी दिलचस्पी दिखाई है और इसका लाभ भी लिया है। केक मैन्युफैक्चरिंग, लांड्री, डिजिटल मार्केटिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, मिनरल वाटर प्लांट, टैटू स्टूडियो और सोलर पैनल इंस्टॉलेशन जैसे विविध क्षेत्रों में ब्याज मुक्त ऋण के माध्यम से युवा उद्यमी आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ रहे हैं।

गुजरात प्लेन क्रैश मामला : बाड़मेर के एक एमबीबीएस छात्र की मौत

जयपुर/बाडमेर (हिंस)। गुजरात में गुरूवार को हुए प्लेन क्रैश में बाड़मेर के एक एमबीबीएस छात्र बीस वर्षीय जयप्रकाश चौधरी की भी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हादसे के समय छात्र जयप्रकाश चौधरी हॉस्टल के मैस में खाना खा रहा था। इस दौरान कॉलेज में प्लेन क्रैश के बाद दीवार का मलबा आकर गिर गया। इलाज के दौरान मौत हो गई। बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना उपखंड के बोर चारणान गांव सूचना मिलने पर परिवार अहमदाबाद पहुंचा था। जहां शुक्रवार दोपहर चिकित्सकों ने उसका शव परिजनों को सौप दिया। परिजनों सहित गांव के लोगों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि एमबीबीएस छात्र जयप्रकाश के पिता धर्माराम ने खेती-बाड़ी और मजदूरी कर बेटे को पढ़ाया थी। उसकी पढ़ाई के लिए कर्ज लेकर कोटा में 2 साल कोचिंग करने भेजा। नीट में 675 नंबर लाकर उसका सिलेक्शन हुआ था। 2023 में उसे बीजे मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद (गुजरात) मिला। जयप्रकाश के सेंकेंड ईयर के एग्जाम 16 जून से शुरू होने वाले थे। जयप्रकाश का ममेरे भाई मंगलाराम ने बताया गुरुवार दोपहर को जयप्रकाश लाइब्रेरी अपने साथियों के साथ प? रहा था। तब उसके एक साथी ने कहा- चलो बाहर से आम लेकर आते हैं। जयप्रकाश ने मना करते हुए कहा कि वह खाना खाने मैस में जा रहा है। इसके बाद वह मैस में चला गया। कुछ लोग मैस के बरामदे में भी खाना खा रहे थे। जयप्रकाश मैस से किचन में रोटी लेने गया था। प्लेन किचन की दीवार से ही टकराने से मलबा गिरा। जहां बरामदे में बैठे सभी छात्र घायल हो गए। गौरतलब है कि गुजरात में अहमदाबाद से लंदन के गेटविक एयरपोर्ट जा रहा एयर इंडिया का विमान गुरुवार को उड़ान भरने के दो मिनट बाद ही क्रैश हो गया था।

भाजपा नेता पशुपति नाथ सिंह हत्याकांड में 16 आरोपियों को उम्र कैद

वाराणसी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता पशुपति नाथ सिंह हत्याकांड में शुक्रवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) कुलदीप सिंह की अदालत ने 16 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके पहले आरोपियों को अदालत ने गुरुवार को दोषी करार दिया था। अदालत ने आरोपियों को हत्या, बलवा, जानलेवा हमला और साजिश की धाराओं में दोषी माना। आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा मिलने के बाद मारे गए भाजपा नेता के परिजनों ने खुशी जताई और न्यायालय के प्रति आभार जताया। भाजपा नेता के पुत्र राजकुमार सिंह ने अदालत से हत्यारों को फांसी देने की मांग की। अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी मनोज गुप्ता, विनय कुमार सिंह, बिंदु सिंह ने केस में पैरवी की। 12 अक्तूबर 2022 को सिगरा स्थित जय प्रकाश नगर कॉलोनी के देसी शराब के ठेके पर इलाकाई शातिर बदमाश मंटू सरोज व राहुल सरोज अपने दो साथियों के साथ शराब पीने के बाद रास्ते में हंगामा कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे भाजपा नेता पशुपतिनाथ सिंह के पुत्र राजकुमार सिंह ने यह देखा तो उन्होंने बदमाशों को डांटा- फटकारा। चारों कुछ देर राजकुमार सिंह से तीखी बहस करने के बाद वहां से चले गए। राजकुमार सिंह भी अपने घर के लिए लौट ही रहे थे कि अचानक मंटू सरोज, राहुल सरोज अपने साथियों को लेकर वहां पहुंचा और उन्हें घेर कर लोहे की रॉड से पीटने लगा। राजकुमार की चीख-पुकार सुन कर पिता पशुपति नाथ सिंह बेटे को बचाने के लिए दौड़ कर वहां पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से पशुपतिनाथ सिंह को अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े। तब तक मोहल्ले के लोग भी वहां जुट गए। यह देख बदमाश वहां से लोगों को धमकाते हुए भाग निकले। परिजन गंभीर रूप से घायल पशुपतिनाथ सिंह और राजकुमार सिंह को लेकर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले गए। जहां चिकित्सकों ने भाजपा नेता को मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पशुपतिनाथ सिंह के पुत्र रुद्रेश कुमार सिंह की तहरीर पर 17 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में दो दरोगा सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया था। भाजपा नेता की हत्या की जानकारी पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शोक संवेदना जताने के लिए आवास पर पहुंचे थे। परिजनों से मिलकर उपमुख्यमंत्री ने पूरे घटना की जानकारी ली थी और अफसरों को बदमाशों के खिलाफ कड़ी कार्रवाही का निर्देश दिया था।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा और कन्या उत्थान के लाभुकों के खाते में भेजा 271 करोड़

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के लाभुकों के खाते में 271 करोड़ 15 लाख रुपए की राशि का डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफ (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरण किया। इस कार्यक्रम में पांच सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के कुल 61 लाख 29 हजार 548 लाभुकों को 254 करोड़ 45 लाख 5 हजार 900 रुपए तथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के 85 हजार 556 लाभुकों को 16 करोड़ 70 लाख 33 हजार रुपए की राशि हस्तंतरित की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कुल 62,15,104 (बासठ लाख पंद्रह हजार एक सौ चार) लाभुकों को 271,15,38,900 (दो सौ एकहत्तर करोड़ पंद्रह लाख अड़तीस हजार नौ सौ) रुपए की राशि हस्तानांतरित की गई है, जिसमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्तता पेंशन योजना तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की ओर से 93.50 करोड़ तथा राज्य सरकार की ओर से 87.55 करोड़ की राशि शामिल है। इसके अलावा

राज्य सरकार की ओर से संचालित योजनाओं, बिहार नि:शक्तता योजना, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना अंतर्गत राज्य सरकार की ओर से कुल 90.08 करोड़ की राशि दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार नि:शक्तता पेंशन योजना के तहत 9 लाख 64 हजार 220 लाभार्थियों को 38 करोड़ 68 लाख 95 हजार 600 रुपए की राशि राज्य सरकार की तरफ से हस्तांतरित की गई है। लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 8 लाख 63 हजार 76 लाभार्थियों को राज्य सरकार की तरफ से 34 करोड़ 69 लाख 19 हजार 600 रुपए की राशि हस्तांतरित की गई है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 35 लाख 59 हजार 667 लाभार्थियों को केंद्र की तरफ से 75 करोड़ 66 लाख 14 हजार 550 रुपए तथा राज्य सरकार की तरफ से 75 करोड़ 66 लाख 14 हजार 550 रुपए की राशि हस्तांतरित की गई है। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्तता पेंशन योजना के तहत 1 लाख 10 हजार 583 लाभार्थियों को 2 करोड़ 65 लाख 42 हजार 80 रुपए की राशि केंद्र सरकार द्वारा, जबकि 1 करोड़ 76 लाख 94 हजार 720 रुपए की राशि राज्य सरकार द्वारा हस्तांतरित की गई है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत 6 लाख 32 हजार 2 लाभार्थियों को केंद्र सरकार की तरफ से 15 करोड़ 19 लाख 34 हजार 880 तथा राज्य सरकार की तरफ से 10 करोड़ 12 लाख 89 हजार 920 रुपए की राशि हस्तांतरित की गई है। यानि कुल 61 लाख 29 हजार 548 लाभुकों के बीच कुल 254 करोड़ 45 लाख 5 हजार 900 रुपए की राशि हस्तांतरित की गयी। जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से 93 करोड़ 50 लाख 91 हजार 510 रुपए तथा राज्य सरकार की तरफ से 160 करोड़ 94 लाख 14 हजार 390 रुपए की राशि शामिल है। मुख्यमंत्री के अनुसार कन्या उत्थान योजना के तहत 85 हजार 556 लाभुकों को राज्य सरकार की तरफ से 16 करोड़ 70 लाख 33 हजार रुपए की राशि हस्तांतरित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का भी सभी क्षेत्रों में पूरा सहयोग मिल रहा है। इन योजनाओं में भी केंद्र सरकार द्वारा राशि प्रदान की गई है।

पेट्रोल-डीजल यूपी के गौतम बुद्ध नगर और बिहार में हुआ सस्ता

नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों ने आग पकड़ ली है। मध्यपूर्व के इलाकों में बढ़ रहे तनाव की वजह से ओपेक ने क्रूड की कीमतों में तगड़ा उछाल किया। ब्रेंट क्रूड 2 दिनों में ही करीब 10 डॉलर महंगा होकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार सुबह जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी उछाल दिख रहा। शुक्रवार को कई शहरों में तेल महंगा हुआ तो कुछ जगह कीमतों में कटौती की गई है। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल

ब्रेंट क्रूड 2 दिनों में ही 10 डॉलर महंगा हुआ

कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 22 पैसे सस्ता होकर 94.52 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 34 पैसे गिरा और 87.55 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे चढ़कर 94.82 रुपये और डीजल 15 पैसे महंगा होकर 87.97 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 20 पैसे गिरावट के साथ 105.21 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 18 पैसे गिरकर 91.48 रुपये लीटर बिक रहा है।

गोयल ने स्वीडन के उद्यमियों के साथ व्यापार, निवेश पर की बातचीत

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टॉकहोम की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के पहले दिन स्वीडन सरकार के वरिष्ठ सदस्यों और उद्योग जगत की हस्तियों के साथ बैठकों में द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों का विस्तार करने, व्यापार और निवेश प्रवाह को बढ़ाने और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के नये रास्ते निकालने के बारे में चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा कि गोयल ने स्वीडन के अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग और विदेश व्यापार मंत्री बेंजामिन डौसा और विदेश व्यापार के राज्य सचिव महामहिम हाकन जेवरेल से मुलाकात की।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान की 'रेको दिक' परियोजना के लिए 70 करोड़ डॉलर के ऋण मंजूर

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और विश्व बैंक ने पाकिस्तान की प्रमुख खनन एवं संसाधन विकास योजना के लिए 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रियायती ऋण को मंजूरी दी है। 'रेको दिक' परियोजना को बलूचिस्तान प्रांत में अंजाम दिया जाएगा जिसे देश के खनिज समृद्ध क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। एक खबर के अनुसार ऋणदाताओं द्वारा यह मंजूरी पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण जीत मानी जा रही है। इस मंजूरी के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र से पाकिस्तान को अपनी सबसे महत्वपूर्ण पहल में से एक 'रेको दिक' परियोजना में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना के देश के संसाधन विकास क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। बैरिक गोल्ड, पाकिस्तान तथा बलूचिस्तान सरकार के पास संयुक्त रूप से इस परियोजना का स्वामित्व है। इस खदान से 2028 में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है ।

टाटा को पछाड़कर हुंडई फिर तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स को बहुत ही मामूली अंतर से पीछे छोड़ते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने एक बार फिर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हुंडई की घरेलू बिक्री टाटा से केवल 2,304 यूनिट अधिक रही, लेकिन इस मामूली फासले ने बाजार की रैंकिंग बदल दी। वहीं, महिंद्रा ने 52,431 यूनिट्स की घरेलू बिक्री के साथ 21.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज करते हुए दूसरी सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी का तमगा हासिल किया। महिंद्रा की यह उपलब्धि इसके मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो का नतीजा है, जिसमें एक्सयूवी 700 और स्कारपियो-एन जैसी गाड़ियां शामिल हैं। वहीं, मारुति सुजुकी ने 1,35,962 यूनिट्स के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा, हालांकि इसमें 5.6प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। छोटे कारों की डिमांड में आई कमी ने उसकी कुल बिक्री को प्रभावित किया। टाटा मोटर्स की मई में घरेलू बिक्री 41,557 यूनिट्स रही, जो पिछले साल के मुकाबले 11प्रतिशत कम है। हालांकि इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में कंपनी ने 2प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,685 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, टोयोटा ने 29,280 यूनिट्स के साथ 22.2प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की, जिसमें 10,168 यूनिट्स मारुति से रीबैज किए गए मॉडल्स थे। किआ ने 22,375 यूनिट्स की बिक्री कर 14.4प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। स्कोडा ने 133.7 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 6,740 यूनिट्स बेचे। दूसरी ओर, निसान, रेनो, सिट्रोएन और जीप जैसे ब्रांड्स की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली।

टीवीएस नया इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारने की तैयारी में

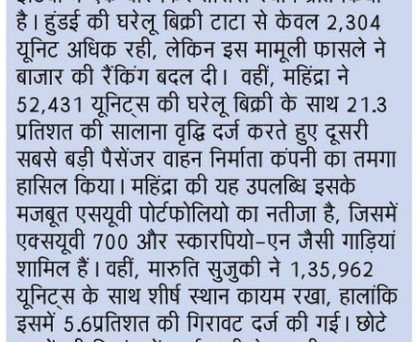

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर जल्द ही एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। यह नया स्कूटर कंपनी के लोकप्रिय मॉडल जुपिटर का इलेक्ट्रिक वर्जन हो सकता है, जिसे जुपिटर ईवी नाम दिया जा सकता है। वर्तमान में टीवीएस के पास आईक्यूब जैसे सफल इलेक्ट्रिक स्कूटर उपलब्ध हैं, जिनके कई ट्रिम्स को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यही वजह है कि कंपनी अब अपनी ईवी रेंज को और मजबूत करने पर जोर दे रही है। कंपनी पहले से ही प्रीमियम सेगमेंट के लिए टीवीएस एक्स नामक इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश कर चुकी है, जिसकी कीमत करीब 2.50 लाख रुपये है। हालांकि इसकी ऊंची कीमत और सीमित उपलब्धता के चलते इसकी बिक्री अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो पाई है। ऐसे में टीवीएस एक ऐसे स्कूटर की तलाश में है जो आम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर सके और बजट फ्रेंडली हो। जुपिटर ब्रांड का इलेक्ट्रिक वर्जन इस मामले में कंपनी के लिए एक अहम कदम हो सकता है, क्योंकि यह एक भरोसेमंद नाम है और ग्राहकों के बीच पहले से ही लोकप्रिय है। अगर यह स्कूटर लॉन्च होता है, तो इसकी टक्कर बजाज चेतक और ओला एस1एक्स जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटरों से होगी।

केंद्र ने ईवी, हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियान्वित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और व्यापक जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय अनिवार्यताएं नहीं हैं। वे भारत के लिए नवाचार, प्रतिभा और उद्यम के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मंत्रालय के अनुसार ग्रीन स्किल्स और ईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हरित ऊर्जा और ई-मोबिलिटी में भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करना है। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सरकार अपनी नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हरित ऊर्जा और ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय की महानिदेशक त्रिशालजीत सेठी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे आईटीआई और एनएसटीआई में अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम लाने की दिशा में एक केंद्रित पहल है। वहीं, भारत के हरित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के अनुरूप यह पहल तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा क्षेत्र में प्रमाणन, नियोजन सहायता और हरित रोजगारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

उल्लेनीय है कि इन राष्ट्रीय प्रयासों को पूरक बनाते हुए दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव को तेज़ करने, स्थानीय ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने और हरित रोजगारों का सृजन करने के लिए अपनी स्वयं की ईवी नीतियां पेश की हैं। ये विकास हरित ऊर्जा और ईवी क्षेत्रों में कुशल कार्यबल की बढ़ती मांग को रेखांकित करते हैं।

हिमाचल सरकार करेगी आलू के लिए एमएसपी का ऐलान

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि किसानों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए आलू का समर्थन मूल्य जल्द ही घोषित करेगी। दरअसल मुख्यमंत्री सुक्खू हाल ही में हिमाचल प्रदेश पुनरोद्धार वर्षा आधारित कृषि नेटवर्क द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बहु-हितधारक परामर्श सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। अपने उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित ऊर्जा और प्राकृतिक खेती को जोरदार तरीके से बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है और आने वाले वर्ष में इसमें और वृद्धि की जाएगी। प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए आने वाले वर्ष में कई नई योजनाएं लागू की जाएंगी।

एयर इंडिया हादसे से बढ़ी बीमा कंपनियों की मुश्किलें

अहमदाबाद

अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया ड्रीमलाइनर विमान हादसे में हुए बड़े नुकसान के बाद, भारत के एविएशन सेक्टर को अब तक का सबसे बड़ा बीमा क्लेम देखने का मौका मिल सकता है। जानकारों के मुताबिक, हादसे में विमान की क्षति का मूल्य करीब 80 मिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जिसे बीमा क्षेत्र में 'हल लॉस' कहा जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, बीमा कंपनियों को करीब 120 मिलियन डॉलर या उससे ज्यादा की भरपाई करनी पड़ सकती है।

देना पड़ सकता है 1000 करोड़ से ज्यादा के क्लेम

हादसे से जुड़े यात्रियों को मुआवजे में 30 से 50 मिलियन डॉलर तक का खर्च और जुड़ सकता है। यहां तक कि विमान में कई हाई-नेटवर्थ इंडिविजुअल्स सवार थे, जिनके दावे 100 मिलियन डॉलर तक हो सकते हैं।

इस हादसे से संबंधित बीमा पॉलिसी में टाटा एआईजी मुख्य बीमाकर्ता है, जबकि न्यू इंडिया एश्योरेंस, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, और जीआईसी रे जैसी कंपनियों ने भी हिस्सेदारी ली है। भारत में इससे पहले दो बड़े विमान हादसों में 2010 में मंगलूरु और 2020 में कोझीकोड कुल 60-70 मिलियन डॉलर का बीमा क्लेम हुआ था।

इस बार की क्षति इन दोनों से कहीं अधिक मानी जा रही है। भारतीय बीमाकर्ताओं ने जोखिम का केवल 10 फीसदी से भी कम हिस्सा अपने पास रखा है, अधिकांश जोखिम अंतरराष्ट्रीय रीइंश्योरेंस कंपनियों के पास है।

1 अगस्त से यूपीआई से जुड़े नियम बदलेंगे

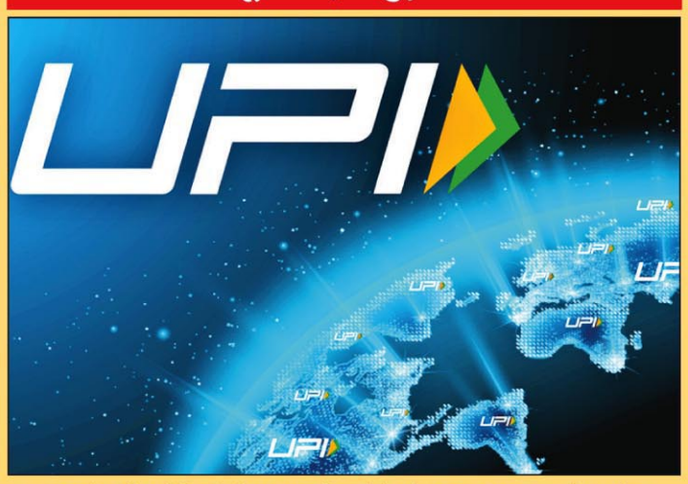

1 अगस्त से यूपीआई से जुड़े नियम बदलने वाले हैं। ये बदलाव आमजन को प्रभावित करेंगे। खबरों के अनुसार, 1 अगस्त से आप केवल 50 बार ही अपने बैंक बैलेंस को यूपीआई एप से चेक कर सकेंगे। एक बड़ा बदलाव ये भी होने वाला है कि मोबाइल नंबर से जो बैंक अकाउंट लिंक है उसकी डिटेल 25 बार से अधिक नहीं देखी जा सकेगी। वहीं ऑटो पेमेंट को लेकर एक और बदलाव किया जाएगा। वहीं एसआईपी या नेटफ्लिक्स के सब्सक्रिप्शन पेमेंट को केवल नॉन पीक ऑवर्स में आप कर पाएंगे। इसे आपके पास सुबह 10 बजे से पहले करने का मौका होगा। वहीं दोपहर में 1 से 5 के बीच और रात के 9:30 बजे के बाद आपके पास इसका सब्सक्रिप्शन पेमेंट करने का मौका होगा।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस: अंबानी

नई दिल्ली

देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं।

हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। मुकेश अंबानी ने आगे लिखा है, ' 'दुख की इस घड़ी में, रिलायंस चल रहे राहत प्रयासों को अपना पूर्ण और अटूट समर्थन देता है तथा हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति और सांत्वना मिले। ओम शांति।

उल्लेखनीय है कि गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। एक यात्री जिंदा बचा है। एयर इंडिया के अनुसार इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार थे, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई।

मई 2025 में कुल 19.39 लाख दू-व्हीलर वाहन बिके

नई दिल्ली

भारत की दोपहिया वाहन इंडस्ट्री ने घरेलू और निर्यात बाजार में मिलाकर मई 2025 में कुल 19.39 लाख दू-व्हीलर वाहन बिके। दोपहिया वाहनों की यह बिक्री पिछले साल की तुलना में 5.5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, अप्रैल 2025 की तुलना में 11.86प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। घरेलू बाजार में कुल 15.90 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई, जिसमें सालाना 2.94प्रतिशत और मासिक 14.02प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इस महीने हीरो ने 4.88 लाख यूनिट्स की बिक्री के साथ टॉप पोजिशन हासिल की, हालांकि इसकी ग्रोथ मामूली 1.99प्रतिशत रही। इसके उलट टीवीएस और सुजुकी ने बाजार में दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। टीवीएस ने जहां 14.07प्रतिशत की सालाना बढ़त हासिल की, वहीं सुजुकी ने 17.11प्रतिशत की उछाल के साथ बाजार में अपनी पकड़ मजबूत की। रॉयल एनफील्ड ने भी 19.34प्रतिशत की सालाना वृद्धि

के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इसके मुकाबले होंडा की बिक्री में 7.4प्रतिशत की गिरावट देखी गई। निर्यात के मोर्चे पर भारत ने 3.49 लाख यूनिट्स भेजे, जो कि सालाना 18.98प्रतिशत की ग्रोथ है। इस सेगमेंट में बजाज ऑटो और टीवीएस ने लगभग बराबर प्रदर्शन किया, जबकि रॉयल एनफील्ड ने 81.96प्रतिशत की जबरदस्त छलांग लगाकर सबको चौंका दिया। कुल मिलाकर टीवीएस मोटर ने 15.73प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि रॉयल एनफील्ड ने 25.94प्रतिशत की ग्रोथ के साथ खुद को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित किया।

बैंक ग्राहकों को केवायसी अपडेट के लिए भेजेगी नोटिस

मुंबई । आरबीआई ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं कि वे ग्राहकों को समय-समय पर केवायसी अपडेट करने के लिए नोटिस भेजें। यह कदम ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने और केवायसी प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बैंक और वित्तीय संस्थाएं अब केवायसी की समयअवधि से पहले कम से कम तीन अग्रिम सूचनाएं भेजेंगी। इनमें से एक सूचना अनिवार्य रूप से पत्र के माध्यम से होगी। यदि ग्राहक समय पर केवायसी अपडेट नहीं करते हैं, तो बैंक तीन अनुस्मरण नोटिस भी भेजेंगे— जिनमें से एक पत्र द्वारा होगा। इस नियम का प्रभाव उन खातों पर अधिक पड़ेगा जो: जनधन योजना स्कीम जैसे कार्यक्रमों के तहत खोले गए हैं और केवायी अपडेट लंबित है। बैंक इन सभी नोटिस और अनुस्मरण पत्रों का रिकॉर्ड रखेंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर ऑडिटिंग में इनका इस्तेमाल हो सके।

थॉमस फ्रैंक बने टोटेनहम के नए हेड कोच, तीन साल के कॉन्ट्रैक्ट पर हुई नियुक्ति

लंदन

टोटेनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब ने डेनमार्क के कोच थॉमस फ्रैंक को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गुरुवार को क्लब ने घोषणा की कि फ्रैंक ने तीन साल का अनुबंध साइन किया है, जो 2028 तक चलेगा।

51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ने करीब एक दशक तक ब्रेंटफोर्ड क्लब के साथ काम किया और अब वे टोटेनहम में एंजे पोस्टेकोग्लू की जगह लेंगे। पोस्टेकोग्लू को पिछले सप्ताह बर्खास्त कर दिया गया था, हालांकि उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीतकर टोटेनहम को 17 साल में पहली ट्रॉफी दिलाई थी।

टोटेनहम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, थॉमस फ्रैंक फुटबॉल की दुनिया के सबसे प्रगतिशील और नवाचारपूर्ण कोचों में से एक हैं। उनके पास खिलाड़ियों और टीम को विकसित करने का शानदार रिकॉर्ड है और हम उन्हें नए सीज़न की तैयारी के लिए टीम की कमान सौंपने को लेकर उत्साहित हैं।

फ्रैंक ने दिसंबर 2016 में ब्रेंटफोर्ड से जुड़ाव शुरू किया था और 2018 से वे टीम के मैनेजर बने। उन्होंने खुद को एक टैक्टिकली समझदार और लचीले कोच के रूप में स्थापित किया, जो सामान्य या पिछली टीमों में असफल रहे खिलाड़ियों को भी निखारने में माहिर रहे हैं।

टोटेनहम में उन्हें अब एक उच्च गुणवत्ता वाली टीम मिलेगी, हालांकि पिछला प्रीमियर लीग सीज़न ब्रेंटफोर्ड ने टोटेनहम से ऊपर खत्म किया था। साथ ही, वे पहली बार यूईएफए चैंपियंस लीग में कोचिंग करते नज़र आएंगे।

इस लिहाज़ से टोटेनहम का यह फैसला थोड़ा जोखिमभरा भी माना जा रहा है, क्योंकि फ्रैंक ने अपने मैनेजेरियल करियर में अब तक कोई ट्रॉफी नहीं जीती है।

हालांकि, 2019 के बाद से एंटोनियो कॉन्टे और जोसे मोरिन्हो जैसे विश्वस्तरीय मैनेजर भी टोटेनहम में सफलता नहीं दिला सके हैं, ऐसे में क्लब ने इस बार ऐसे कोच को मौका दिया है जिसके पास प्रीमियर लीग का अच्छा खासा अनुभव है।

ब्रेंटफोर्ड ने 2021 से प्रीमियर लीग में अपनी जगह बनाई है और लगातार अपने प्रदर्शन से उम्मीदों से बेहतर नतीजे दिए हैं।

टोटेनहम ने यह भी पुष्टि की है कि फ्रैंक अपने साथ ब्रेंटफोर्ड से कुछ कोचिंग स्टाफ भी लाएंगे, जिसमें असिस्टेंट कोच जस्टिन कोक्रेन और मैनचेस्टर यूनाइटेड से आने वाले सेट-पीस स्पेशलिस्ट आंद्रेयास जॉर्जसन शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

स्टटगार्ट ओपन 2025: अलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जस्टिन एंगेल ने रचा इतिहास

स्टटगार्ट। जर्मनी के शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को 6-2, 7-6(7) से हराकर स्टटगार्ट ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट विंबलडन की तैयारी के लिहाज़ से बेहद अहम माना जा रहा है। फ्रेंच ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय करने वाले ज्वेरेव ग्रास कोर्ट पर अब तक संघर्ष करते आए हैं और उन्होंने अभी तक इस सतह पर कोई खिताब नहीं जीता है। ज्वेरेव बोले - जीत ही सबसे अहम 28 वर्षीय ज्वेरेव ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे सेट में मौटे ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, टाईब्रेकर में ज्वेरेव ने अनुभव का फायदा उठाकर मैच अपने नाम किया। उन्होंने कहा, मैं 6-2, 6-2 से जीतना पसंद करता, लेकिन मैच में ऐसा नहीं चुन सकते। जीत सबसे अहम होती है और मैं खुश हूं कि कल फिर खेलने का मौका मिलेगा। ऑगर-अलियासिम की वापसी, एंगेल का धमाका कनाडा के चौथे वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने जियोवानी म्पेची पेरिकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह जीत उनके लिए 2022 के बाद पहली ग्रास कोर्ट जीत है। अब उनका मुकाबला जर्मनी के 17 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जस्टिन एंगेल से होगा। 17 वर्षीय एंगेल ने रचा इतिहास एंगेल ने अमेरिकी सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स मिकेलसन को 6-4, 6-4 से हराकर सबको चौंका दिया। उन्होंने दोनों सेटों में 2-1 की बढ़त बनाई और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। वह स्टटगार्ट ओपन के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टरफाइनलिस्ट बन गए हैं और 1985 में बोरिस बेकर के विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के बाद किसी भी एटीपी ग्रास कोर्ट इवेंट के सबसे युवा क्वार्टरफाइनलिस्ट भी बन गए हैं।

केविन डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी छोड़ने के बाद नापोली के साथ किया करार

मिलान। बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर केविन डि ब्रून ने इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी से विदाई लेने के बाद अब इटली के क्लब नापोली से करार कर लिया है। नापोली के अध्यक्ष और फिल्म निर्माता ऑरेलियो डी लॉरेंटिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर डि ब्रून के साथ हाथ मिलाते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा, स्वागत है, केविन! सूत्रों के मुताबिक, 33 वर्षीय डि ब्रून ने नापोली के साथ दो साल का अनुबंध साइन किया है, जिसमें एक साल का अतिरिक्त विकल्प भी शामिल है। वह यहां अपने अंतरराष्ट्रीय साथी रोमेलू लुकाकू और पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड मिडफील्डर स्कॉट मैकटॉमिने के साथ खेलते नजर आएंगे। सिटी में सफल रहा दशक डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी के साथ छह प्रीमियर लीग खिताब और 2023 में यूईएफए चैंपियंस लीग सहित कई ट्रॉफियां जीतीं। पेप ग्वार्डियोला के नेतृत्व में उनका प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन पिछले दो सत्रों में वह दो हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण कई मुकाबलों से बाहर रहे। स्कुडेटो बचाने के मिशन पर नापोली नापोली ने उन्हें यूरोप के शीर्ष मिडफील्डरों में से एक के रूप में अपनी टीम में शामिल किया है। टीम अगले सत्र में न केवल सेरी ए खिताब की रक्षा करेगी, बल्कि विस्तारित चैंपियंस लीग में भी भाग लेगी। इंटर को पछाड़ बना था चैंपियन एंटोनियो कॉन्टे के कोच रहते हुए नापोली ने इंटर मिलान को अंतिम दिन पछाड़कर सेरी ए खिताब अपने नाम किया था। यह पिछले तीन वर्षों में क्लब का दूसरा लीग खिताब है।

मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये

ढाका। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मिराज को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की है। मिराज अगले एक साल तक के लिए कप्तान बनाये गये हैं। उन्हें नजमुल हुसैन शांतो की जगह कप्तान बनाया गया है। वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से कप्तानी संभालेंगे। कप्तान बनोय जाने पर मिराज ने खुशी जतायी है। मिराज ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। इस ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की थी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में गेंदबाज़ों का दबदबा, टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहतरीन विज्ञापन : पैट कमिंस

लंदन

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल भले ही तीन दिन में समाप्त होने की कगार पर हो, लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट के लिए एक बेहतरीन विज्ञापन साबित हो रहा है। पहले दो दिनों में लॉर्ड्स की पिच पर कुल 28 विकेट गिर चुके हैं, जिससे मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। दूसरे दिन कमिंस ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर 6 विकेट झटके और टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 144 रन बनाकर दिन का खेल समाप्त किया और अब उसे 218 रनों की बढ़त मिल चुकी है। इस दौरान एलेक्स कैरी (43) और मिचेल स्टार्क (16* रन) के बीच आठवें विकेट के लिए 61 रनों की अहम साझेदारी हुई।

कमिंस ने दिन के खेल के बाद कहा, मैच अभी बराबरी पर है। ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक है। आखिरी सेशन में हमारी साझेदारी शानदार रही और यह दिन समाप्त करने का बेहतरीन तरीका था।

जब उनसे पूछा गया कि क्या गेंदबाज़ों का दबदबा इस खिताबी मुकाबले की महत्ता को कम करता है, तो उन्होंने जवाब दिया, दो दिन में मुकाबला लगभग 50-50 पर खड़ा है। कुछ बल्लेबाज़ क्रीज़ पर जमते दिखे, लेकिन अधिकतर के लिए रन बनाना मुश्किल रहा।

कमिंस ने माना कि मैच की तेज़ी से बढ़ती गति का कारण पिच की चुनौती और दोनों टीमों की अनुशासित गेंदबाज़ी है। दोनों टीमों ने बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाज़ी की है। बल्लेबाज़ों को हाफ वॉली खेलने को भी नहीं मिलीं।

अपने 68वें टेस्ट में कमिंस ने यह भी कहा कि 300 विकेट लेना एक खास उपलब्धि है। उन्होंने कहा, यह बहुत ही खास है। इस सूची में ज्यादा नाम नहीं हैं। यह मेरी स्थायित्व और दीर्घायु का प्रतीक है।

कमिंस डब्ल्यूटीसी फाइनल में अपने प्रदर्शन से बेहद संतुष्ट दिखे और माना कि शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को मैच जीतने के लिए फिर से सटीक और अनुशासित गेंदबाज़ी करनी होगी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025: जीत को लेकर आत्मविश्वास से भरा है दक्षिण अफ्रीका

लंदन। लॉर्ड्स में खेले जा रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुश्किल स्थिति के बावजूद दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत की पूरी उम्मीद है। बल्लेबाज़ डेविड बेडिंघम ने कहा कि टीम ड्रेसिंग रूम में पूरा आत्मविश्वास है कि वे जो भी लक्ष्य मिलेगा, उसे हासिल कर सकते हैं। बेडिंघम ने दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में सर्वाधिक 45 रन बनाए थे, लेकिन टीम महज 138 रन पर ढेर हो गई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट बाकी हैं और टीम ने 218 रन की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम शुक्रवार को अपनी पारी को आगे बढ़ाएगी। लॉर्ड्स टेस्ट में गेंदबाजों का बोलबाला, लेकिन बेडिंघम बोले - हम जीत सकते हैं यह एक बेहतरीन मौका है - बेडिंघम बेडिंघम ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत मौका है। और हम सभी इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह किसी भी तरफ जा सकता है, लेकिन हमारी टीम में बहुत विश्वास है। हालांकि पहले दो दिन में 28 विकेट गिर चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि गेंदबाजों का वर्चस्व रहा है और दक्षिण अफ्रीका के लिए लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, जब आपके पास छह क्वालिटी सीम गेंदबाज हों और पिच चुनौतीपूर्ण हो, तो बल्लेबाजी कठिन हो जाती है। लेकिन मुझे लगता है कि विकेट अब थोड़ा धीमा हो गया है और गेंद की धार भी कम हो गई है। उम्मीद है कि चौथी पारी में गेंद सीधे आए और हम रन बना पाएं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की तारीफ़ करते हुए उन्होंने कहा, व्यक्तिगत तौर पर, मुझे नहीं लगता कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कोई खराब गेंद फेंकी। यही कारण है कि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हैं। लेकिन हम उन्हें काउंटर करने की योजना बना रहे हैं। जब आप इस तरह की गेंदबाजी के खिलाफ बीच में अटक जाते हैं - न बचाव न आक्रमण - तब आउट होना तय है। लॉर्ड्स में चौथी पारी में सफल रनचेज का इतिहास गौरतलब है कि लॉर्ड्स में टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा सफल रनचेज 1984 में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ 342 रन बनाकर किया था। 2022 में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 277 रन बनाए थे। 2004 में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 282 रन चेज किए। 1965 में इंग्लैंड ने 218 रन का पीछा कर जीत दर्ज की थी। दक्षिण अफ्रीका को अब इतिहास रचने के लिए इन आंकड़ों को पार करना होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के अहम मुकाबलों के लिए तैयार

लंदन

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा। फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी।

आगामी मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की है और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत को पहचान सकें और उसे बरकरार रख सकें।

लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेगी। इसके बाद टीम का आखिरी मुकाबला 28 और 29 जून को बर्लिन में चीन के खिलाफ होगा।

14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारतीय पुरुष और महिला टीमें

भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी।

भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे हमें न केवल जरूरी अंक मिलेंगे, बल्कि टीम को जीत की लय भी मिलेगी। पिछली चार भिड़ंतों में हम बेहद करीबी मुकाबलों में हारे हैं, लेकिन अब हम इस क्रम को तोड़ना चाहते हैं और जीत की राह पर लौटना चाहते हैं। एफआईएच प्रो लीग के इन अहम मुकाबलों में दोनों भारतीय टीमें जीत की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेंगी।

क्लब टेनिस चैम्पियनशिप

लंदन में ब्रिटेन की इमा राडूकाने क्वींस क्लब टेनिस चैम्पियनशिप खेलती हुई।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत, बेल्जियम को 3-2 से हराया

एंटवर्प

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम (4'), ललथनतलुआंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए।

मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक तेवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया।

इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की। 37वें मिनट में मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक के ज़रिए पहला गोल किया और फिर 40वें मिनट में मार्टे मैरी ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

चौथे क्वार्टर में जब खेल खत्म होने में केवल 9 मिनट बाकी थे, तब कनिका सिवाच ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई और टीम की जीत सुनिश्चित की। बेल्जियम पर लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद अब भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप दौरे में अगला मुकाबला 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

सिफ्त कौर समरा ने किया एसएलआई का समर्थन, कहा-शूटिंग क्रांति के लिए यह सही समय

नई दिल्ली

पंजाब की 23 वर्षीय शूटिंग स्टार सिफ्त कौर समरा ने भारत की पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया-एसएलआई) को देश में इस खेल के लिए एक गेम-चेंजर बताया है। एशियाई खेलों 2022 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में विश्व रिकॉर्ड 469.6 अंक बनाकर इतिहास रचने वाली सिफ्त को उम्मीद है कि यह लीग न केवल शूटर्स, बल्कि फैन्स और भविष्य की प्रतिभाओं के लिए भी एक नया मंच तैयार करेगी।

सिफ्त ने कहा, भारतीय शूटिंग में ऐसा पहली बार हो रहा है और मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा कदम है। आज भी लोग शूटिंग को लेकर बहुत कुछ नहीं जानते। लीग फॉर्मेट इस खेल को दर्शकों के करीब लाएगा और हमें शूटर के तौर पर एक नया प्लेटफॉर्म देगा—प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भी और व्यक्तिगत तौर पर भी।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहले ही कई पदक जीत चुकीं सिफ्त—जिनमें एशियन गेम्स का गोल्ड और सिल्वर और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का ब्रॉन्ज शामिल है, लीग के उस फॉर्मेट को लेकर खास तौर पर उत्साहित हैं जिसमें भारत के टॉप शूटर एक-दूसरे के खिलाफ टीम राइवलरी में उतरेंगे।

उन्होंने कहा, हम आमतौर पर व्यक्तिगत या नेशनल टीम के तौर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं। लेकिन इस लीग में हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगे-शायद इंटरनेशनल शूटरों के साथ भी। यह नया है, रोमांचक है और निश्चित ही मजेदार भी होगा। इसमें हर शॉट अहम होता है-यहां कोई सेफ्टी नेट नहीं है, न रैंकिंग न क्वालिफिकेशन अंक। यह शुद्ध खेल है और लोग इसे देखना पसंद करेंगे।

सिफ्त ने इस लीग की तुलना आईपीएल से करते हुए इसके संभावित प्रभाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, लोग मेरे माता-पिता से पूछते हैं कि शूटिंग में कैसे जाएं। अगर ऐसी लीग टीवी या सोशल मीडिया पर दिखेगी तो इससे बहुत जागरूकता फैलेगी। जिस तरह आईपीएल ने क्रिकेट की घरेलू प्रतिभाओं को मंच दिया, शूटिंग लीग भी हमारे लिए वही कर सकती है। सिफ्त इस लीग के ज़रिए जूनियर शूटरों और इंटरनेशनल खिलाड़ियों से जुड़ने को लेकर भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, कई जूनियर शूटर हैं जिनसे मैं कभी नहीं मिली क्योंकि हम अलग कैटेगरी में हैं। ये लीग उस फासले को कम करेगी।

गंभीर इंग्लैंड दौरा बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पारिवारिक कारणों से अचानक ही इंग्लैंड दौर बीच में छोड़कर स्वदेश लौट आये हैं। गंभीर भारतीय टीम के साथ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड में थे पर परिवार में मेडिकल इमरजैंसी के कारण उन्हें लौटना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंभीर की मां की तबियत खराब है अभी ये पता नहीं चला है कि वह कब टीम से वापस जुड़ेंगे। गंभीर की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, सहायक कोच रेयान टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप भारतीय टीम की तैयारियों पर नजर रखेंगे। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 20 जून से खेलना है। इंग्लैंड में भारतीय टीम युवा कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में उतरेगी। इस बार टीम में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। शुभमन 25 साल और 258 दिन की उम्र में टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी इस सीरीज में उतरते ही बन जाएंगे। भारतीय टीम को एजबेस्टन, लंदन के लॉर्ड्स, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड और लंदन के द ओवल में भी मैच खेलने हैं।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

आंखों को साफ पानी से धोते रहें

आंखों की कोशिकाओं और रेटिना को मजबूती प्रदान करने में ल्युटेन आदि तत्वों की अहम भूमिका होती है। हरी सब्जियों और फलों में यह तत्व भरपूर मात्र में पाए जाते हैं। आंखों के स्वास्थ्य के लिए हरी सब्जियों, फलों के साथ डेयरी उत्पाद भी पर्याप्त मात्र में खाएं। लक्षणों को नजरअंदाज न करें : आंखों या सिर में भारीपन और धुंधला दिखाई देना। आंखें लाल होना और उनसे पानी आना। आंखों में खुजली होना।

योग रखेगा रोग मुक्त

बदलती जीवनशैली में पेट में गैस बनना आम समस्या हो गई है। मैडीसन से राहत तो मिल जाती है पर इससे कई समस्याएं भी पैदा होती हैं। अगर नियमित योग करें तो इससे हमेशा के लिए छुटकारा मिल सकता है।

गैस बनने की वजह

खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और स्टार्चयुक्त पदार्थों की बहुलता। शारीरिक श्रम की कमी। रात में देर से भोजन करना और सो जाना। सलाद और रेशेदार फल-सब्जियों की कमी। मल-मूत्र, अपान वायु के वेगों को रोकना। खाने में ज्यादा नमकीन, चटपटे और तेज मिर्च-मसाले का इस्तेमाल।

पेट संबंधी रोग

कब्ज, दस्त, आंतों में सूजन, अल्सर, कोलाइटिस, पित्ताशय की पथरी आदि रोगों के कारण भी गैस बनती है।

आहार

- सुबह खाली पेट 600 एमएल पानी नींबू के साथ लें। नाश्ते में दलिया, खिचड़ी या मूंग की दाल का सूप इस्तेमाल करें। दलिया या खिचड़ी में हरी सब्जियां डालें या अंकुरित अन्न चबा-चबाकर खाएं।
- दोपहर के खाने में मोटे आटे की रोटी, छिलका युक्त दाल, हरी सब्जियां और सलाद लें। खाने के दो घंटे बाद 250 एमएल छाछ काला नमक व भुना जीरा के साथ लें।
- रात का खाना 9 बजे के आसपास लें। रोटी, हरी सब्जी लें।

लाभदायक यौगिक क्रिया

- **आसन:** पवन मुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, नौकासन, भुजंगासन, सुप्त वज्रासन, मत्स्यासन, मयूरासन, कटि चक्रासन।
- **बंध:** उड्डियान बंध, अग्निसार क्रिया।
- **मुद्रा:** योग मुद्रा, अपान मुद्रा, अश्विनी मुद्रा।
- **प्राणायाम:** भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम।
- **षड्कर्म:** कुंजल, लघु शंख प्रक्षालन, बस्ति क्रिया, भोजनोपरांत दस मिनट वज्रासन में बैठना।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं। कुछ मामलों में तो यहां तक देखा गया है कि एग्रोफोबिया के मरीज कई सालों तक घर से बाहर नहीं निकले हैं।

सोशलफोबिया

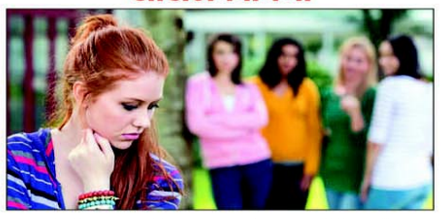

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉ. बोहरा बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

आयुर्वेद से करें एक्जिमा का उपचार

एक्जिमा एक प्रकार का चर्म रोग है। त्वचा के उत्तेजक, दीर्घकालीन विकार को एक्जिमा के नाम से जाना जाता है। इस रोग में त्वचा शुष्क हो जाती है और बार-बार खुजली करने का मन करता है क्योंकि त्वचा की ऊपरी सतह पर नमी की कमी हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा को कोई सुरक्षा नहीं रहती, और जीवाणुओं और कोशाणुओं के लिए हमला करने और त्वचा के भीतर घुसने के लिए आसान हो जाता है। एक्जिमा के गंभीर मामलों में त्वचा के ग्रसित जगहों से में पस और रक्त का स्राव भी होने लगता है। यह रोग डर्माटाईटिस के नाम से भी जाना जाता है। मुख्य रूप से यह रोग खून की खराबी के कारण होता है और चिकित्सा न कराने पर तेजी से शरीर में फैलता है। एक्जिमा का रोग अपने रोगियों को उम्र और लिंग के आधार पर नहीं चुनता। एक्जिमा के रोग से ग्रस्त रोगी अन्य विकारों के भी शिकार होते हैं। यह किसी भी उम्र के पुरुष या महिलाओं को प्रभावित कर सकता है। लेकिन कुछ आयुर्वेदिक उपचारों को अपनाकर इस समस्या के लक्षणों को कम किया जा सकता है।

खदिरारिष्ट

20 मिलीलीटर खदिरारिष्ट को 20 मिलीलीटर पानी में मिलाकर खाना खाने के बाद दिन में दो बार लेने से फायदा होता है।

गुदुच्याड़ी तेल

एक औषधियुक्त तेल जिसे ग्रसित जगह पर लगाने से लाभ मिलता है।

पञ्चनिम्बडी चूर्ण

खाना खाने के बाद आधे से एक चमच पानी के साथ लेने से भी लाभ होता है।

साफी

रक्त शुद्धी की एक बहुत ही प्रचलित औषधि, जिसके एक दो चम्मच खाली पेट पर लेने से एक्ज़िमा काफी हद तक ठीक हो जाता है।

शुद्ध गुग्गूल

आयुर्वेद की बहुत ही प्रचलित जड़ी बूटी, गुग्गूल में शुद्धि और तरोताजा करने के लिए अत्यधिक ओजस्वी शक्तियों का समावेश होता है।

चन्दन

एक चम्मच कपूर के साथ एक चम्मच चन्दन की लई मिलाकर एक्जिमा से ग्रसित जगह पर लगाने से भी बहुत फायदा होता है।

आहार और खान पान

- दही और अचार जैसे खट्टी चीजों का सेवन बिलकु ल ना करें।
- करेले और नीम के फूलों का सेवन भी लाभकारी होता है।
- शुद्ध हल्दी भी एक्जिमा की चिकित्सा में लाभ प्रदान करती है। इसे एक्जिमा के चकतों पर लगाया जा सकता है और दूध में मिलाकर भी पीया जा सकता है।

क्या करें क्या ना करें

- डिटरजेंट (कपडे धोने का पाउडर) को बिलकुल भी ना छुएं, पर अगर मजबूरी से छूना भी पड़े तो सूती दस्तानों का प्रयोग करें।
- एक्जिमा से ग्रसित जगह पर तंग कपडे ना पहनें।
- सिंथेटिक कपड़ों का भी बिलकुल प्रयोग ना करे, क्योंकि इससे पसीने के निष्काशन में कठिनाई होती है।
- तरबूज़ जैसे फलों का नियमित रूप से सेवन करें।
- गाजर और पालक के रस का मिश्रण पीने से भी एक्जिमा के ठीक होने में लाभ मिलता है।
- पानी का भरपूर मात्रा में सेवन करें और चाहें तो संतरे का रस भी पी सकते हैं।

नीम

नीम के कोमल पत्तों का रस निकालकर उसमें थोड़ी सी मिश्री मिला लें। इसे प्रतिदिन सुबह पीने से खून की खराबी दूर होकर एक्जिमा ठीक होने लगता है।

हरड़

4 हरड़ को गौमूत्र में पीसकर लेप बना लें। यह लेप प्रतिदिन दो से तीन बार एक्जिमा पर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी

आटे का मालपुवा

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
1/2 कप शक्कर
1/2 टी-स्पून दरदरी पीसी हुई कालीमिर्च
1 टेबल-स्पून सौंफ
घी , तलने के लिए

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को मिलाकर, मध्यम आँच पर, लगातार हिलाते हुए 3 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को गहरे बाउल में निकाल ले और पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। ठंडा करने के बाद, क्रश की हुई कालीमिर्च, सौंफ, गेहूं का आटा और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाकर फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन मे घी गरम करें, चम्मच भर घोल गरमा गरम घी में डालकर, तेज़ आँच पर उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। विधी क्रमांक 4 कोप दोहराकर 14 और मालपुवे बना लें। तुरंत परोसें।

खोबा रोटी

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
2 टी-स्पून घी
नमक स्वादअनुसार
गेहूं का आटा , बेलने के लिए
घी , चुपड़ने और परोसने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में डालकर, पर्याप्त मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। आटे को 4 भाग में बाँट लें। थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर, आटे के प्रत्येक भाग को 150 मिमी। व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और रोटी को दोनो तरफ से लगभग 2-3 मिनट तक पकाकर प्लेट में निकाल लें। रोटी को समान अंतर पर ऊंगली से चिमट लें। रोटी को सुबारा तवे पर डालकर, धिमी आंच पर 5-6 मिनट या दोनो तरफ से सुनहरे दाग पड़ने तक, सूती के कपड़े से सबाते हुए पका लें। 3 और रोटी बना लें। घी और अपनी पसंद की सब्जी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**